दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-113 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, बुधवार 13 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

उदयनिधि स्टालिन के विवादित बोले-

सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए

यह लोगों को बांटता है; पहले डेंगू-मलेरिया बताया था, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकारा था

चेन्नई. तमिलनाडु के पूर्व डिप्टी ष्टरू उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए। यह लोगों को बांटता है।उन्होंने पहले 2023 में भी सनातन को डेंगू, मलेरिया बताया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी। उदयनिधि ने विजय के शपथ ग्रहण समारोह का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि तमिलनाडु के पारंपरिक तमिल आह्वान गीत 'तमिल थाई वाझथु' को कार्यक्रम में तीसरे स्थान पर रखा गया, जबकि परंपरा के मुताबिक इसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। उदयनिधि ने कहा- हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। तमिलनाडु में किसी भी सरकारी कार्यक्रम में तमिल थाई वाझथु को पहला स्थान मिलना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 4 मार्च 2025 को उदयनिधि स्टालिन को फटकार लगाई थी।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश बन रहा देश का वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन हब

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने वन और वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बनाई है। राज्य सरकार ने वन्य जीवों के संरक्षण को केवल पर्यावरणीय दायित्व नहीं माना। सरकार ने इसे विकास, पर्यटन, स्थानीय रोजगार, सांस्कृतिक चेतना और सामुदायिक सहभागिता से जोड़कर व्यापक जन आंदोलन का स्वरूप दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरगामी सोच से मध्यप्रदेश आज 'टाइगर स्टेट' के साथ ही देश के सबसे व्यापक और वैज्ञानिक वन्य जीव संरक्षण मॉडल के रूप में उभरा है।

विलुप्त प्रजातियों की पुनर्स्थापना का अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कार्यकाल में चीतों के साथ ही कई दुर्लभ और विलुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण और पुनर्स्थापन पर विशेष ध्यान दिया गया है। कान्हा टाइगर रिजर्व में असम के काजीरंगा नेशनल पार्क से लाए गए जंगली भैंसों का पुनर्वास इस दिशा में ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है। यह प्रयास केवल एक प्रजाति को पुनर्स्थापित करने तक सीमित नहीं, बल्कि विलुप्त हो रही जैव-विविधता और पारिस्थितकी तंत्र को पुनर्जीवित करने का अभियान है। चंबल, कूनो और नर्मदा क्षेत्र में घड़ियाल, मगरमच्छ और कछुओं के संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राष्ट्रीय चंबल सेंचुरी पहले से ही दुनिया में घड़ियालों की सबसे बड़ी शरणस्थली मानी जाती है।

गिद्ध संरक्षण में प्रदेश कर रहा देश का नेतृत्व

मध्यप्रदेश गिद्ध संरक्षण में देश का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। कभी विलुप्ति के कगार पर पहुंचे गिद्धों की संख्या राज्य में अब 14 हजार से अधिक हो चुकी है, जो देश में सर्वाधिक है। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी और वन विहार नेशनल पार्क के सहयोग से भोपाल के केरवा क्षेत्र में घायल गिद्धों के लिए रेस्क्यू सेंटर संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा वन विहार में उपचार के बाद 23 फरवरी 2026 को मुक्त किया गया एक गिद्ध पाकिस्तान और उज्बेकिस्तान तक की लंबी यात्रा पूरी कर चुका है.

हाथी संरक्षण के लिये महत्वपूर्ण कदम

राज्य सरकार ने हाथियों के संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए 47 करोड़ रुपये से अधिक की व्यापक योजना को मंजूरी दी है। राज्य स्तरीय 'हाथी टास्क फोर्स' का गठन, 'हाथी मित्र' योजना, रेडियो टैगिंग और सोलर फेंसिंग जैसे कदम इस दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। मानव-हाथी संघर्ष में जनहानि होने पर मुआवजा राशि को 8 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करना सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है।

हिमंता दूसरी बार असम के सीएम

बीजेपी और 2 सहयोगी दलों से मंत्री बने, सभी ने असमिया में शपथ ली; मोदी-शाह मौजूद रहे

गुवाहाटी। हिमंता बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने हैं। असम के गवर्नर लक्ष्मण आचार्य ने गुवाहाटी के खानापारा वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। हिमंता के अलावा 4 विधायकों भाजपा के रामेश्वर तेली, अजंता नेओम,एजीपी के अतुल बोरा, बीपीएफ के चरण बोरो ने मंत्री पद की शपथ ली है। इनमें दो बीजेपी और 2 सहयोगी दलों से हैं। शपथ कार्यक्रम में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत बीजेपी-एनडीए शासित राज्यों के सीएम और कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। हिमंता का पूरा परिवार भी कार्यक्रम में मौजूद रहा।

पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री की शपथ लेने पर हिमंत बिस्व सरमा को बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हिमंत बिस्व सरम को असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने उन्हें बेहद कुशल प्रशासक बताते हुए राज्य के लिए किए गए नवाचारपूर्ण कार्यों की सराहना की। हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में सफल रहा।

नीट यूजी की परीक्षा एनटीए ने रद्द की

जांच सीबीआई को: एनटीए ने माना-हम जिम्मेदार; सवाल पूछने पर बिना जवाब दिए निकले शिक्षा मंत्री प्रधान

नई दिल्ली। पेपर लीक के आरोपों के बीच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने मंगलवार को नीट (जी) 2026 परीक्षा रद्द कर दी है। यह परीक्षा 3 मई को हुई थी। 22.79 लाख स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी। एनटीए डीजी अभिषेक सिंह ने कहा- इस गड़बड़ी के लिए हम जिम्मेदार हैं। परीक्षा दोबारा कराई जाएगी, 6-8 दिन में नई तारीख का ऐलान होगा। उधर, केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। एजेंसी ने मामले में एफआईआर दर्ज की है। नीट ने बताया कि भारत सरकार की मंजूरी मिलने के बाद परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया गया। वहीं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से दिल्ली में इस मामले में मीडिया ने सवाल पूछा तो वह बिना कुछ बोले निकल गए।

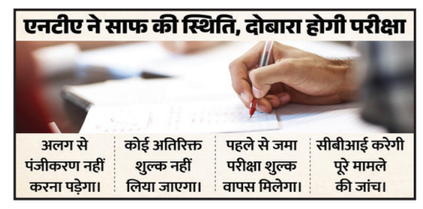

आशंका: पेट्रोल-डीजल हो सकते हैं पांच रुपए प्रति लीटर तक महंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार आपातकालीन आर्थिक उपायों पर विचार कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है, ताकि तेल कंपनियों पर बढ़ते दबाव को कम किया जा सके और विदेशी मुद्रा भंडार पर असर नियंत्रित रहे। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्रालय और आरबीआई के अधिकारियों के बीच उच्चस्तरीय चर्चा हुई है। हालांकि अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। वहीं दूसरी ओर पीएम मोदी की एक साल तक सोना न खरीदने की अपील के बाद ज्वैलरी कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को शेयर बाजार में जबरदस्त बिकवाली देखने को मिली। सेंसेक्स 1,313 अंक टूटकर 76,015 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 360 अंक गिरकर 23,815 पर पहुंच गया। बाजार में सबसे ज्यादा दबाव ज्वेलरी, ऑटो, बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर के शेयरों पर रहा। रिपोर्ट्स के मुताबिक तेल कंपनियां प्रतिदिन 1000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो रहा है। इसे कम करने के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 5 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ोतरी की जा सकती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनियों के पूरे नुकसान की भरपाई के लिए 15 से 20 रुपये प्रति लीटर तक दाम बढ़ाने पड़ सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार केवल ईंधन कीमतों पर ही नहीं, बल्कि गैर जरूरी आयात को सीमित करने के विकल्पों पर भी विचार कर रही है।

स्टॉक न करें, जरूरी सामान व ऊर्जा आपूर्ति पर नजर: राजनाथ

इसी बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में पश्चिम एशिया पर मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की पांचवीं बैठक हुई। इस बैठक के बाद लोगों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का अतिरिक्त स्टॉक जमा न करने की अपील की गई। बैठक में बताया गया कि भारत के पास फिलहाल 60 दिनों का कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का भंडार मौजूद है, जबकि एलपीजी का 45 दिनों का स्टॉक उपलब्ध है। राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार आवश्यक वस्तुओं और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं पर लगातार नजर बनाए हुए है तथा किसी भी कमी या बाधा को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

रिटेल महंगाई अप्रैल में बढ़कर 3.48 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली। अप्रैल की रिटेल महंगाई बढ़कर 3.48 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इससे पहले मार्च में यह 3.40 प्रतिशत थी। आज 12 मई को ये आंकड़े जारी किए गए हैं।महंगाई में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। यह तनाव लंबा चला तो महंगाई आगे और बढ़ सकती है। महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दामों का बढ़ना है। फूड इन्फ्लेशन अप्रैल में बढ़कर 4.20 प्रतिशत पर पहुंच गई। मार्च में यह आंकड़ा 3.87 प्रतिशत था। जब हम कहते हैं कि अप्रैल 2026 में महंगाई 3.48 प्रतिशत है, तो इसका मतलब है कि हम इसकी तुलना मार्च 2025 से कर रहे हैं। यह पूरे एक साल का बदलाव है। 3.48त्न एक औसत नंबर है जिसे कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स कहते हैं। इसमें आपके जीवन की सैकड़ों चीजें शामिल हैं.

खाने-पीने की चीजें महंगी होने का असर; अमेरिका-ईरान जंग से महंगाई और बढ़ सकती है

धार के भोजशाला विवाद पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी

दो घंटे चली बहस, सभी पक्षों ने मजबूती से रखे तर्क; कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रखा

इंदौर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में चर्चित भोजशाला प्रकरण की सुनवाई मंगलवार को पूरी हुई। करीब दो घंटे से ज्यादा सुनवाई चली। मामले में सभी पक्षों के तर्क हो चुके हैं और भारतीय पुरातत्व विभाग ने भी अपने तर्क मजबूती से रखे। मामले में कोर्ट ने फैसला रिजर्व फॉर ऑर्डर रखा है। इसके पूर्व सोमवार को लंबी बहस हुई थी। सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष की ओर से सीनियर एडवोकेट शोभा मेनन और सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट सलमान खुर्शीद ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पक्ष रखा था, जबकि एडवोकेट तौसिफ वारसी कोर्ट में उपस्थित रहे थे। सुनवाई के दौरान मुख्य रूप से राज्य सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रस्तुत तर्कों और सर्वे रिपोर्ट का विरोध किया गया। वर्ष 2022 में रंजना अग्निहोत्री और उनके साथियों ने भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करने तथा हिंदू समाज को पूर्ण अधिकार दिए जाने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी। भोजशाला मामले की

नियमित सुनवाई 6 अप्रैल से हाईकोर्ट में चली। 6 से 9 अप्रैल तक हिंदू पक्ष की ओर से विष्णुशंकर जैन और विनय जोशी ने भोजशाला को मंदिर बताते हुए अपने तर्क रखे थे। एडवोकेट शोभा मेनन ने कोर्ट में कहा कि अभी यह तय नहीं हुआ है कि भोजशाला मंदिर है, मस्जिद है या जैन शाला।

सबसे बड़ा खेल इंटरनेट पर टूटेगी डेटा की सुनामी, 80 अरब डॉलर की कमाई और 8.24 लाख नौकरियां होंगी पैदा

दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल महाकुंभ बनेगा फीफा वर्ल्ड कप

नई दिल्ली (एजेंसी)

11 जून 2026 से होने वाला फीफा वर्ल्ड कप महज एक खेल का मैदान नहीं, बल्कि दुनिया की अर्थव्यवस्था और इंटरनेट की मजबूती को परखने वाली एक बहुत बड़ी प्रयोगशाला बनने जा रहा है।

अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट को बैंक ऑफ अमेरिका ने एक ऐसा मेगा इवेंट करार दिया है, जो भविष्य में डेटा, मीडिया और फुटबॉल के सभी तौर-तरीको को पूरी तरह बदल कर रख देगा। इस बार का वर्ल्ड कप तकनीकी रूप से अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण आयोजन होने वाला है। टूर्नामेंट में 48 टीमें शिरकत करेंगी और 16 शहरों में कुल 104 मैच खेले जाएंगे। अनुमान है कि पूरी दुनिया में करीब 6 अरब लोग इसे देखेंगे। आंकड़ों की बाजीगरी ऐसी है कि सिर्फ वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला ही पूरी दुनिया के कुल इंटरनेट ट्रैफिक का 7 प्रतिशत हिस्सा अकेला खा सकता है। इस दौरान पैदा होने वाला डेटा करीब 2 एक्सबाइट्स तक पहुंच सकता है, जो कि 45,000 साल लंबे 4के वीडियो के बराबर है। यह कतर में हुए पिछले वर्ल्ड कप की तुलना में 45 गुना ज्यादा है।

मैदान पर फ्रांस का दम, लेकिन एआई को पसंद है स्पेन

अगर फुटबॉल के मैदान की बात करें, तो इस बार मुकाबला इंसानी अनुमानों और मशीनी गणनाओं के बीच भी होगा। बैंक ऑफ अमेरिका के 65 एक्सपर्ट्स के एक सर्वे में 40 प्रतिशत लोगों ने फ्रांस को खिताब का सबसे मजबूत दावेदार बताया है। जानकारों का मानना है कि स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे एक बार फिर गोल्डन बूट जीतकर अपनी टीम को फाइनल तक ले जाएंगे। अधिकतर लोगों को उम्मीद है कि फाइनल मुकाबला फ्रांस और स्पेन के बीच होगा। हालांकि, जब इसी डेटा को एआई मॉडल में डाला गया, तो नतीजे थोड़े अलग आए। एआई सिमुलेशन में स्पेन के जीतने की संभावना फ्रांस के बराबर या कई बार उससे भी ज्यादा दिखाई दे रही है। खास बात यह है कि इस बार हर टीम के पास फीफा के फुटबॉल एआई प्रो प्लेटफॉर्म का एक्सेस होगा, जो हर सेकंड करोड़ों डेटा पॉइंट्स का विश्लेषण कर खिलाड़ियों की रणनीति तय करने में मदद करेगा।

डॉलर की बरसात और निवेश का नया खेल

मैदान पर होने वाले गोल के पीछे अरबों डॉलर का गणित छिपा है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह वर्ल्ड कप करीब 41 अरब डॉलर की निवेश थीम पर आधारित है। फीफा और वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन की एक स्टडी बताती है कि इस आयोजन से वैश्विक स्तर पर 80.1 अरब डॉलर का आउटपुट निकलेगा और दुनिया भर में लगभग 8.24 लाख नौकरियां पैदा होंगी। इसका असर सिर्फ स्टेडियम तक सीमित नहीं रहेगा। स्पोर्ट्स टूरिज्म, होटल, एयरलाइंस और डिजिटल पेमेंट सेक्टर में भारी उछाल आने की उम्मीद है। साल 2025 में स्पोर्ट्स टूरिज्म से 672 अरब डॉलर की कमाई हुई थी और उम्मीद है कि 2030 तक खेल उद्योग की कुल कमाई में इसकी हिस्सेदारी 41 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। वॉल स्ट्रीट के निवेशक इस वक्त उन कंपनियों पर नजरें गड़ाए बैठे हैं जो इस डिजिटल ट्रैफिक और फैंस के खर्च का सबसे ज्यादा फायदा उठाएंगी।

बॉर्डर फोर्स को किया अलर्ट

सुवेंदु के आदेश पर बोला बांग्लादेश कंटीले तारों से हमें डरा नहीं सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश को कांटेदार तारों से डराया नहीं जा सकता। यह बयान तब आया जब पश्चिम बंगाल में नई बीजेपी सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में बांग्लादेश के साथ सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को जमीन देने का फैसला किया। बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि चुनावी बयानबाजी और असल शासन दो अलग-अलग मुद्दे हैं और बांग्लादेश यह देखना चाहता है कि क्या सुवेंदु सरकार शासन में भी चुनावी बयानबाजी का ही पालन कर रही है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश के लोग कंटीले तारों से नहीं डरते... बांग्लादेश की सरकार भी नहीं डरती। जहां हमें बात करने की जरूरत होगी, हम बात करेंगे। यह बयान विदेश मंत्री खलीलुर रहमान की उस चेतावनी के कुछ दिनों बाद आया।

चुप नहीं बैठेगा बांग्लादेश

हुमायूं ने कहा कि अगर भारत सरकार लोगों से लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करना चाहती है तो उसे सीमा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को सुलझाने में ज्यादा मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उनके संबंध मुख्य रूप से केंद्र सरकार के साथ हैं। हुमायूं ने कहा, हम उनकी आंतरिक राजनीति में शामिल नहीं होना चाहते।

संक्षिप्त समाचार

जिला पशु कल्याण समिति की बैठक मैहर में आज

सतना। मैहर में जिला पशु कल्याण समिति, जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति तथा जिला पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक 12 मई को दोपहर 1 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में आयोजित की गई है। जिला पशु कल्याण समिति के सचिव/उप संचालक ने बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

वार्ड चुनाव को लेकर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

सतना। जिले के नगर परिषद नागौद के वार्ड क्रमांक 13 में होने वाले उप चुनाव को लेकर आचार संहिता के पालन के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सतना डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा जारी आदेश के अनुसार बिना अनुमति लगाए गए पोस्टर, बैनर, होर्डिंग और दीवार लेखन तथा संपत्तियों शासकीय एवं अशासकीय भवनों पर प्रचार सामग्री लगाया जाना प्रतिबंधित रहेगा। इस संबंध में नगर परिषद नागौद क्षेत्र में विशेष निगरानी रखते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी को नगर परिषद नागौद एवं थाना प्रभारी को थाना नागौद के नगर परिषद नागौद का रिक्त वार्ड क्रमांक-13 के कार्यक्षेत्र में संयुक्त रूप से कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार नगर परिषद नागौद के वार्ड क्रमांक 13 में होने वाले उपचुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष बनाने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने सभी लाइसेंसी हथियार धारकों को अपने हथियार संबंधित थानों में जमा कराने के निर्देश दिए हैं।

निर्माणाधीन बाइपास बना में हादसा, दो बाइक भिड़ीं युवक गंभीर

सतना। चित्रकूट मार्ग स्थित मझगवां बाइपास में सोमवार को एक सड़क हादसा हो गया। पंवरिया बाबा के समीप निर्माणाधीन बाइपास सड़क पर दो मोटरसाइकिल वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान विनय पांडे पिता गुड्डू पांडे निवासी ग्राम रेरुआ के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइपास सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है और ठेकेदार द्वारा सड़क की खुदाई कर दी गई है। सड़क पर पर्याप्त संकेतक और सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण तेज रफ्तार से आ रहे बाइक चालकों को अचानक सड़क की गहराई दिखाई दी, जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और हादसा हो गया। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल घायल विनय पांडे को उपचार के लिए मझगवां स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल सतना रेफर कर दिया गया।

[अवैध कैटरिंग] कटनी-मानिकपुर से शुरू हो जाती है बुकिंग

ट्रेनों में सक्रिय मोबाइल किचन गैंग, पर्चे दिखाकर ले रहे खाने का आर्डर, कर रहे सप्लाई

नगर संवाददाता, सतना।

स्टेशन से गुजरने वाली एक सैकड़ा से ज्यादा यात्री ट्रेनों में हर दिन हजारों की संख्या में अवैध वेंडर खाने की थाली यात्रियों को पहुंचा रहे हैं। लेकिन इसकी खबर न तो आरपीएफ को है और न ही कमर्शियल विभाग को। अवैध वेंडर पकड़ने का दावा करने वाली इन दोनों जांच एजेंसियों की आंख के नीचे सैकड़ों अवैध वेंडर हर दिन हजारों यात्रियों को खराब और बासी खाना पहुंचा रहे हैं, लेकिन इन्हें रोकना तो दूर, इनकी खबर तक नहीं है।

यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़- नियम के मुताबिक ट्रेन में यात्रियों को खाना पहुंचाने की स्वीकृति आइआरसीटीसी से ली जाती है। इसके पास कमर्शियल विभाग और आरपीएफ की सहमति से खाना पहुंचाने वाले व्यक्ति का परिचय पत्र जारी होता है, लेकिन यहां ऐसा कुछ नहीं होता। आर्डर लेने से पहुंचाने तक की जिम्मेदारीअवैध वेंडर की ट्रेनों में बढ़ती सक्रियता से एक बार फिर यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे की व्यवस्था पर सवाल खड़ कर दिए हैं।

बीमार हो रहे यात्री

गर्मी के सीजन में ट्रेनों में इन दिनों पैर रखने तक की जगह नहीं है। जनरल, स्लीपर कोच से लेकर एसी कोच तक में यात्रियों की भीड़ का फायदा उठाकर अवैध वेंडर इन दिनों उनसे आर्डर लेकर खाना पहुंचा रहे हैं। जबकि इस खाने को खाने के बाद कई यात्री बीमार भी हुए हैं, लेकिन लंबा सफर होने की वजह से कई यात्री इसकी शिकायत नहीं करते।

आउटर से हो रही सप्लाई

दरअसल जबलपुर व प्रयागराज से आने वाली ट्रेनों में अवैध वेंडर, कटनी, मैहर, मानिकपुर से सवार होते हैं और फिर चलती ट्रेन में यात्रियों को मोबाइल किचन के पर्चे देकर खाने का आर्डर लेते हैं। आर्डर मिलते ही सतना में बने अवैध मोबाइल किचन में घंटों पहले बना खाना पैक होता है और फिर स्टेशन के आउटर से इन थाली को ट्रेन में चढ़ाकर यात्री तक पहुंचाया जता है। यह थाली ट्रेन में डीलक्स, स्पेशल, महाराजा के नाम पर 150 रुपये से 250 रुपये तक बेची जाती है।

लूट करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

- एक लाख रुपये लूटकर फरार हुए थे आरोपी, दो बाइक व नकदी बरामद

नगर संवाददाता, सतना।

जले की नागौद पुलिस ने लूट की वारदात का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोटरसाइकिल और 40 हजार रुपये नकद जब्त किए हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार रेउंसा निवासी लीलमणि शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 7 मई की रात करीब 11 बजे वह अपनी अल्टो कार से घर लौट रहे थे।

माडाटोला के आगे बगीचे के पास दो युवकों ने बाइक खराब होने का बहाना बनाकर उनकी कार रुकवाई। जैसे ही वह नीचे उतरे, आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान दो अन्य साथी भी पहुंच गए और कार व जेब में रखे कुल एक लाख रुपये तथा आधार कार्ड लूटकर फरार हो गए। घटना के दौरान फरियादी ने एक मोटरसाइकिल का नंबर नोट कर लिया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और मुखबिर की सूचना पर सडवा गांव के पास वाहन चेकिंग के दौरान दो संदिग्धों को पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की वारदात करना स्वीकार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में अनुपम कुमार पाण्डेय, प्रवीण शुक्ला उर्फ कृष्ण कुमार, शिवेन्द्र पाण्डेय और रज्जू उर्फ विजय पाण्डेय शामिल हैं। सभी आरोपी पवइया थाना कोठी क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों से दो मोटरसाइकिल और 40 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक पाण्डेय सहित नागौद और कोठी थाना पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जनगणना न करने पर चार प्रगणकों को नोटिस

नगर संवाददाता, सतना।

भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत निगम क्षेत्र में नगर पालिक निगम सतना द्वारा संचालित मकान सूचीकरण कार्य में उदासीनता एवं शासकीय आदेशों की अवहेलना करने वाले प्रगणकों के विरुद्ध निगम प्रशासन ने सख्त कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। डॉ. शेर सिंह मीना, प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी एवं आयुक्त नगर पालिक निगम सतना के आदेशानुसार जोनल चार्ज अधिकारी दीपक बागरी द्वारा ब्लॉक संख्या 92 की प्रगणक सुमन गौतम, ब्लॉक संख्या 93 के प्रगणक ओमकार तिवारी, ब्लॉक संख्या 104 की प्रगणक कविता निगम एवं ब्लॉक संख्या 112 की प्रगणक समीक्षा खरे को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। जारी नोटिस में उल्लेख किया गया है कि संबंधित प्रगणकों को मोबाइल कॉल एवं व्हाट्सएप संदेशों के माध्यम से बार-बार सूचित किए जाने के बावजूद उनके द्वारा नियुक्ति पत्र एवं परिचय पत्र प्राप्त करने में रुचि नहीं दिखाई गई तथा जनगणना कार्य के संबंध में दिए गए निर्देशों की लगातार अनदेखी की गई, जोकि राष्ट्रीय महत्व के कार्य के प्रति गंभीर लापरवाही है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि जनगणना कार्य हेतु नियुक्त अधिकारी/कर्मचारी लोक सेवक की श्रेणी में आते हैं तथा जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 11 के तहत कार्य से इंकार करना, आदेशों की अवहेलना करना अथवा सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन न करना दंडनीय अपराध है। संबंधित प्रगणकों को 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत कर नियुक्ति पत्र एवं परिचय पत्र प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्राप्त न होने की स्थिति में संबंधितों के विरुद्ध दंडात्मक एवं विभागीय कार्रवाई हेतु प्रतिवेदन संबंधित विभाग को प्रेषित किए जाने के निर्देश प्रमुख जनगणना अधिकारी द्वारा दिए गए हैं।

दिल्ली में दम दिखाएंगे ताइक्वांडो के 12 खिलाड़ी

नगर संवाददाता, सतना।

जिले के लिए गौरव की बात है कि सतना मार्शल आर्ट एकेडमी के 12 खिलाड़ियों का चयन 12वीं राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप-2026 के लिए हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 13 से 15 मई तक दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होगी, जहां खिलाड़ी मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव डॉ. संदीप भारती ने जानकारी देते हुए बताया कि चयनित सभी खिलाड़ी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के पदक विजेता हैं। प्रतियोगिता का आयोजन ओलंपिक संघ एवं ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में किया जा रहा है। विशेष बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं 'गोल्डन गर्ल' अस्मि भारती भी मध्यप्रदेश युवा खेल विभाग की ओर से राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। खिलाड़ियों के चयन से जिले के खेल जगत में उत्साह का माहौल है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों में अध्ययन भारती, स्नेहा पयासी, मेघा सिंह, कृष्णा कुशवाहा, प्रांशी कुशवाहा, शुभी पाण्डेय, शिवानी मिश्रा, रिदम सोनी, कीर्ति सोनी, अनुष्का मिश्रा, वेदांशिका चौहान एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अस्मि भारती शामिल हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष रविशंकर गौरी, डॉ. ए.के. अवधिया, अमित सोनी, पुष्पराज सिंह गुन्ना, एडवोकेट विनय श्रीवास्तव, अशोक सिंह 'टिंकू', रवि गर्ग, संदीप गर्ग, अमित अवस्थी, रत्नेश यादव 'रेशु', ऋचा भारती, आदित्य सिंह बघेल, आशुतोष पयासी, डॉ. गौरव सिंह, वूशू कोच शैलेन्द्र शर्मा, विजय सिंह, रजनीश द्विवेदी, कान्हा सिंह बघेल सहित समस्त पदाधिकारियों एवं खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

खमरेही समिति में किसानों से अवैध वसूली के आरोप, तुलाई में गड़बड़ी की शिकायत

- नियम विरुद्ध खरीदी प्रभारी बनाए गए दुरेहा सेल्समैन से किसान परेशान

नगर संवाददाता, सतना।

जिले की खमरेही समिति के यशवंत पटेल द्वारा गेहूं खरीदी के दौरान किसानों के साथ कथित लूट और अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। किसानों ने आरोप लगाया है कि खरीदी केंद्र में प्रति क्विंटल 20 रुपये की अवैध वसूली की जा रही है। विरोध करने पर किसानों को यह कहकर चुप कराया जाता है कि 'ऊपर तक पैसा देना पड़ता है।' जानकारी के अनुसार दुरेहा समिति के प्रबंधक सिद्धार्थ ओझा ने दुरेहा के सेल्समैन अरुण द्विवेदी को रीछुल समिति का प्रभारी खरीदी केंद्र का प्रभारी बनाया है। किसानों का आरोप है कि खरीदी केंद्र में तुलाई के नाम पर भी गड़बड़ी की जा रही है। बताया गया कि 160 ग्राम वजन की प्लास्टिक बोरी में करीब 800 ग्राम अतिरिक्त अनाज लिया जा रहा है, जिससे किसानों को सीधा नुकसान उठाना पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक हाल ही में खरीदी केंद्र के निरीक्षण के दौरान किसानों ने फूड अधिकारी से भी इस मामले की शिकायत की। किसानों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए और खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाया जाए। किसानों का कहना है कि समर्थन मूल्य पर खरीदी के नाम पर यदि इसी तरह कटौती होती रही तो उनकी मेहनत का उचित लाभ नहीं मिल पाएगा।

टैरो पाठ्यक्रम में अनिता द्विवेदी ने पाया ए प्लस ग्रेड

नगर संवाददाता, सतना।

कहा जाता है कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती और यदि परिवार का साथ मिल जाए तो हर लक्ष्य आसान हो जाता है। इसी सोच को साकार करते हुए जिले की अनिता द्विवेदी ने अपने खाली समय का सकारात्मक उपयोग कर नई उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने श्री महर्षि कॉलेज ऑफ वैदिक एस्ट्रोलॉजी से पी.जी. डिप्लोमा इन टैरो पाठ्यक्रम पूर्ण कर ए प्लस ग्रेड प्राप्त किया है। अनिता द्विवेदी ने बताया कि इस पाठ्यक्रम को करने के लिए उन्हें उनकी बेटियों सर्मिष्ठा द्विवेदी एवं प्रतिष्ठा द्विवेदी ने प्रेरित किया। बेटियों ने उन्हें खाली समय को रचनात्मक दिशा देने और नई विधाओं को सीखने के लिए उत्साहित किया, जिसके बाद उन्होंने वैदिक एवं टैरो अध्ययन का चयन किया। वर्ष 2025-26 सत्र की अंतिम परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ए प्लस ग्रेड प्राप्त करने पर परिवार, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। अनिता का मानना है कि निरंतर सीखने की इच्छा और परिवार का सहयोग व्यक्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

उत्कृष्ट कार्य पर प्रोत्साहन, लापरवाही पर थमाई नोटिस

नगर संवाददाता, सतना।

सोमवार को जिला पंचायत के सभागार में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने बैठक लेकर ग्रामीण विकास विभाग की 300 दिवस और 500 दिवस से अधिक की पुरानी शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान तीन कर्मचारियों को लंबित 7 शिकायतों में से 6 शिकायतें त्वरित निराकरण करने पर प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित भी किया गया। इनमें जनपद पंचायत रामपुर बाघेलान के ग्राम खगौरा के सचिव सुरेंद्र द्विवेदी, ग्राम रोजगार सहायक श्री करूणा सागर मिश्रा तथा सेक्टर सज्जनपुर के सब इंजीनियर प्रमोद शुक्ला के नाम शामिल है। इसी प्रकार अधिक दिवस से लंबित निराकरण में लापरवाही करने और अनुपस्थित रहने पर 20 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये है। सीईओ जिला पंचायत द्वारा लापरवाही बरतने पर जिन कर्मचारियों को नोटिस जारी किया गया है। उनमें उचेहरा जनपद पंचायत के उपयंत्री राकेश ताम्रकार, बीपीओ शंकर प्रसाद गुप्ता, सचिव ज्ञानेन्द्र सिंह, सुशील गुप्ता और विनोद सिंह, सचिव पिपरी भरत सिंह, सचिव उमरिहा रमेश द्विवेदी, बमुरहिया सचिव रामसुजान कुशवाहा के नाम शामिल है। इसी प्रकार रामपुर बघेलान जनपद पंचायत में ब्लाक कोआर्डिनेटर ज्योति सोनी, लेख अधिकारी यशवंत सिंह, सचिव नेमुआ श्रीकांत मिश्रा, मझगवां जनपद पंचायत में बीपीओ छोटेलाल शुक्ला और सहायक ग्रेड-3 विनोद कुमार वर्मा शामिल है। इसी प्रकार जनपद पंचायत नागौद में बीपीओ बृजेन्द्र प्रताप सिंह, ब्लाक कोआर्डिनेटर आवास के केके सिंह सहित पंचायत सचिव कोनी रामविश्वास कोरी, नुनगरा के बाल गोविन्द पटेल, अकौना के उम्मीद द्विवेदी, सचिव बेलौंधा शैलेन्द्र सिंह और सचिव सूरजदीन ढीमर को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये हैं।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण : पुरस्कृत कर खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

नगर संवाददाता, सतना।

संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह के संरक्षण में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण आरोह 2026 शिविर 1 मई से 31 मई तक संचालित किया जा रहा है।

सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने दादा सुखेंद्र सिंह स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स जवाहर नगर पहुंचकर प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया और खिलाड़ियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने खिलाड़ियों के अनुभव, सुझाव और शिविर के प्रति उनकी प्रतिक्रिया को गंभीरता से सुना। इस दौरान सीईओ ने खिलाड़ियों से जिले के प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से जुड़े रोचक प्रश्न भी पूछे। सही उत्तर देने वाले तथा अपने विचार प्रभावी ढंग से रखने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया, जिससे खिलाड़ियों का उत्साह और बढ़ा। इस मौके पर डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते, सीईओ जनपद प्रतिपाल बागरी, ओपी अस्थाना, खेल अधिकारी रितिका दुबे, एसपी तिवारी सहित कोच, खिलाड़ी एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

लगातार मिल रही हार से मानसिक संतुलन खो बैठे हैं पटवारीः अतुल

नगर संवाददाता, सतना।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा मैंहर कलेक्ट्रेट को लेकर सतना सांसद एवं भाजपा नेताओं पर लगाये गए आरोपों को भारतीय जनता पार्टी ने पूरी तरह से मनगढ़ंत और बेबुनियाद बताते हुए कहा है कि जीतू पटवारी को यही जानकारी नहीं है कि मैंहर कलेक्ट्रेट सतना में बन रहा है या मैंहर में । जहां तक जमीन को लेकर जो आरोप लगाए गए हैं वो सब शासन के रिकॉर्ड में दर्ज हैं,बेहतर होगा कि श्री पटवारी उनका अवलोकन करें उसके बाद ही इस तरह के गैर जिम्मेदाराना बयान दें । जहां तक छिबौरा मंडल अध्यक्ष का मामला है वह जांच का विषय है और निष्पक्ष जांच होने से वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी अतुल सिंह परिहार ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पर हमला बोलते हुए कहा है कि लगातार मिल रही पराजय से जीतू पटवारी सहित पार्टी नेताओं का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है यही वजह है कि वो इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं । अतुल सिंह ने जीतू पटवारी द्वारा बंगाल और आसाम के विधानसभा चुनाव में धांधली के आरोपों को हास्यास्पद बताते हुए कहा की जीतू पटवारी को केरल के चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष दिखाई दे रहे हैं क्योंकि वहां कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनी है और बंगाल व आसाम में उन्हें इसलिए धांधली नजर आ गई क्योंकि वहाँ भाजपा की सरकार बनी है ।

[वार्ता] कुपोषण और बंगाल चुनाव पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बीजेपी को घेरा

भारत की सरकार चला रहे डोनाल्ड ट्रंप : जीतू पटवारी

नगर संवाददाता, सतना।

कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोमवार को अल्प प्रवास पर सतना पहुंचकर प्रदेश और राष्ट्रीय मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने प्रधानमंत्री को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि वे देश के सबसे कमजोर हैं। देश की सरकार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चला रहे हैं और मध्य प्रदेश की सरकार पीएम मोदी-अमित शाह चला रहे हैं। भाजपा में पर्ची सिस्टम से सरकारें चल रही हैं। श्री पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री का सच अब जनता के सामने आने लगा है। अमेरिका के दबाव में ट्रेड डील हुई, ऑपरेशन सिंदूर रोका गया और ईरान-अमेरिका युद्ध में भारत को नुकसान हुआ। उन्होंने सतना सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पश्चिम बंगाल चुनाव, लोकतंत्र और जिले में कुपोषण की स्थिति को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए जीतू पटवारी ने पश्चिम बंगाल चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वहां लोकतंत्र की हत्या हुई है। चुनाव के बीच में अधिकारियों के तबादले किए गए और करीब 70 लाख लोगों का मतदान होल्ड कर दिया गया। उनका कहना था कि इस प्रकार की घटनाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा हैं और आने वाली पीढ़ी के लिए अच्छा संदेश नहीं देतीं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से नहीं कराए गए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सतना जिले में कुपोषण की गंभीर स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जिले में सबसे ज्यादा कुपोषण देखने को मिल रहा है, लेकिन सरकार केवल दावे कर रही है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि मात्र 40 रुपए में किसी बच्चे को पोषित करना कैसे संभव हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुपोषण दूर करने के नाम पर केवल भ्रष्टाचार किया जा रहा है और योजनाओं का लाभ जरूरतमंद बच्चों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहा। जीतू पटवारी ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य और पोषण जैसी मूलभूत व्यवस्थाएं लगातार कमजोर होती जा रही हैं। उन्होंने सरकार से कुपोषण की वास्तविक स्थिति पर गंभीरता से काम करने और पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की मांग की। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

डिम्पल के नेतृत्व में चंडीमाता मंदिर में प्रदेश अध्यक्ष पटवारी का ऐतिहासिक स्वागत

नगर संवाददाता, सतना।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी अल्प प्रवास पर सतना पहुंचे इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सिंगरौली विधानसभा के प्रभारी उपेंद्र मिश्रा डिम्पल के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष का पुष्प वर्षा करके ऐतिहासिक स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम चंडीमाता मंदिर के समीप हुआ। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव नीलांशु चतुर्वेदी, जिला प्रभारी वीरेंद्र द्विवेदी का भी स्वागत किया गया । स्वागत समारोह के दौरान जिला अध्यक्ष एवं विधायक सतना सिद्धार्थ कुशवाहा एवं रैगांव विधानसभा की पूर्व विधायक श्रीमती कल्पना वर्मा भी मौजूद रहीं। स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महीपत शुक्ला , नलिनेंद्र मिश्रा डब्बू , ब्लॉक अध्यक्ष सोहावल राममणि शुक्ला, स्वतंत्र मिश्रा , आनंद उरमालिया , श्रीमती सीमा बागरी , अशोक शर्मा , भूपेंद्र उरमलिया, मानवेंद्र सिंह मोनू, दीपा रजक ,सालनी सिंह ,प्रतिमा शुक्ला ,आरती वर्मन, सुनील सिंह, दीपक सिंह ,संतोष सिंह ,राजेंद्र बागरी, प्रकाश तिवारी, पंकज सिंह ,रोहित वर्मन, आयुष त्रिपाठी, घनश्याम शुक्ला, यूनिस खान एवं सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

संक्षिप्त समाचार

पौड़ीधाम पीठ में चल रहे धार्मिक आयोजन

रीवा। अनन्तश्री विभूषित प्रेमावतार श्री रामहर्षणदेवाचार्य जी महाराज द्वारा स्थापित आचार्य पीठ में अनेक धार्मिक आयोजन प्रारंभ है। मालूम हो कि स्वामी जी महाराज विश्व की उन विभूतियों में जाने जाते हैं जिन्होंने अपने साधना काल में परब्रम्ह परमात्मा श्री सोतारामजी महाराज से प्रत्यक्ष संबंध स्थापित कर निरंतर भाव समाधि में तल्लीन रहते हुये समाज को अध्यात्मिक साधना के क्षेत्र में लगभग स्वरचित 50 ग्रंथों को समाज के लिये अमूल्य निधि समर्पित की है। स्वामी जी का प्रादुर्भाव सतना जिला अंतर्गत पोडी ग्राम की धरती में हुआ था। आज वे भले ही भौतिक शरीर से ब्रम्हलीन हो गये हों किंतु उनका सूक्ष्म शरीर का दर्शन अब भी सिद्धि सदन मण्डपम सहित पोडी खजुहा में निरंतर हो रहा है। सन् 1953 से आपके द्वारा भगवान राघवेन्द्र की अनेक गुप्त एवं प्रकट रसमयी लीलाओं का प्रेमी भक्तों के बीच आविर्भाव हुआ। श्रीराम : शरण मम शरणागति का यह परम मंत्र आपके जीवन में एक अलौकिक प्रेम के साथ प्रविष्ट हुआ, और इसे आपने अपने नित्य-संकीर्तन का विषय बनाया। इस मंत्र के संकीर्तन से बेसुध होकर घण्टों तक रूदन यह नित्यचर्या बनी। सन् 2012 को मौनो अमावस्या को श्री अयोध्याधाम में उन्होंने अंतिम सांस ली। लाखों शिष्यों तथा भक्तों ने बिलखते हुये उन्होंने अंतिम विदाई दी।

शम्भू काकू की पुण्य तिथि में संगोष्ठी व कविता पाठ

रीवा। बघेलखण्ड सांस्कृतिक महोत्सव समिति रीवा द्वारा शम्भू काकू की 18वीं पुण्य तिथि पर वृद्धाश्रम स्वागत भवन के महाराजा रघुराज सिंह सभाकक्ष में सायंकाल 3 बजे से एक विचारगोष्ठी एवं कविता पाठ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें शम्भू काकू के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर चर्चा की जायेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ.सतेन्द्र शर्मा सतना एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता डा..प्रभाकर चतुर्वेदी करेगें। अतिथियों में डॉ.दिनेश कुशवाहा, डॉ.चन्द्रिका प्रसाद चंद्र, डॉ.एन.पी.पाठक, वरिष्ट पत्रकार जयराम शुक्ला, मानस मण्डल के अध्यक्ष सुभाष बाबू पाण्डेय भाग लेगें। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कवि साहित्यकार रामनरेश तिवारी निष्ठुर करेगें। संस्था के अध्यक्ष जगजीवनलाल तिवारी ने रीवा के साहित्यकारों एवं कवियों से जनकवि शम्भू काकू की चर्चा में शामिल होने की अपील की है।

26 को विंध्य में मनाया जायेगा गंगा दशहरा उत्सव,तैयारियां तेज

रीवा। प्रयागराज, वाराणसी, हरिद्वार की तर्ज पर इस वर्ष सारे विन्ध्य में आगामी 26 मई को गंगा दशहरा का उत्सव मनाने हिन्दू धर्म परिषद द्वारा कई आयोजनो की तैय्यारी प्रारंभ कर दी है। इस अवसर पर विन्ध्य के सभी मंदिरो एवं घरो में गंगाजल कलश की पूजा आरती के साथ करने की योजना बनायी जा रही है जिसमें सभी धार्मिक संस्थाओं एवं मंदिरो के प्रबन्धको का सहयोग लिया जायेगा। माँ गंगा अवतरण दिवस पर मनाये जाने वाले इस त्यौहार को सार्वजनिक तौर पर मान्यता दिलाने यह प्रयास किया जा रहा है। रीवा नगर में भी बाबाघाट पर यह आयोजन कराने की योजना प्रस्तावित की गई है।

समापन दिवस पर भव्य शोभा यात्रा

श्री सर्वाथ सिद्धि महाशांतिक अनुष्ठान सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन

रीवा, नगर संवाददाता।

1008 श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर कटरा रीवा में सप्त आर्यिका संघ के सानिध्य मे सिध्दचक्र महामंडल विधान के अनुष्ठान का आज समापन किया गया। इस पावन बेला में 105 आर्यिका रत्न सूत्रमती माताजी,शीतलमती माताजी, सौम्यमती माताजी,कर्तव्यमती माताजी,श्रुतमती माताजी ,चैत्यमति माताजी, उपसममति माताजी संघ के सानिध्य में प्रतिष्ठाचार्य पंडित कमल कुमार जैन कर्रापुर सागर के मार्गदर्शन में भव्य आयोजन किया गया। भगवान का श्रावक अभिषेक शांति धारा करते हैं। आज की शांति धारा के पुण्यार्जक परिवार श्रावक श्रेष्ठी आनंद आदित्य बडकुर श्रीमती संगीता,रजनीश श्रीमती सीमा ,अर्पित अंजलि कु.,अदिति कु. ,प्रियंका कु.,संजना समस्त परिवार,श्रावक श्रेष्ठी में श्रीमती इंदु जैन,श्रीमती सुरभि अनुराग जैन,श्रीमती नैंसी तन्मय जैन,कु.अरुषिम आरुषि, शामिल रहे।

105 आर्यिकारत्न के सानिध्य में किया गया पूजन

प्रातः कालीन बेला में अभिषेक शांति धारा पूजन समाज की गरिमामय उपस्थिति में 105 आर्यिका रत्न सूत्रमति माताजी एवं 105 आर्यिका सोम्यमती माताजी ससंघ के सानिध्य मे नित्य पूजन एवं आचार्य विद्यासागर महाराज की पूजन संपन्न हुई। अखिलेश जैन भोपाल की संगीत मंडली के संगीत मयी मधुरध्वनि आयोजित की गई। उसके बाद सिध्दचक्र महामंडल विधान के समापन पर हवन किया गया। हवन के बाद मंडल का विसर्जन किया गया। तत्पश्चात शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा ढोल नगाड़ों के साथ फोर्ट रोड मंदिर से घोड़ा चोराहा,अस्पताल चौराहा से होते हुये कटरा मंदिर में समापन हुआ। शोभा यात्रा में सातों माताजियों पदयात्रा कर समाज की गरिमामय उपस्थिति में सहभागिता किया।

महावीर भवन की आधारशिला रखने में इनका रहा योगदान

महावीर भवन की आधार शिला स्वर्ण शिला एवं रजत शिला रखने वालों में पुण्यार्जक मोनिका चक्रेश सौधिया,वालेंटीना,भावना, रीना ,स्वाती, सुनीता ,प्रीति ,जया ,तृप्ति ,माला, शिल्पा, पलक ,प्राची, श्वेता, आराधना, ज्योति ,सुनीता अजमेरा ,संगीता ,सोनाली, किरण ,रजनी ,सविता ,इदू, सुधा रेखा, शिल्पी, शशि मंजुला, प्राची श्वेता ,शंध्या, अनीता, संध्या, वंदना, भावना ,नीलम, अंजलि, रितिका एवं समस्त श्री दिगंबर जैन समाज कल्याण समिति के पदाधिकारी,धीरज जैन,आरके जैन सहभागी रहे। इसके अलावा चौका मंदिर प्रांगण के त्यागी व्रती भोजनशाला में अपना सहयोग देने वालों में सुलोचना कमल कुमार जैन, नीतू संतोष जैन, अक्षत, अभिषेक, कामिनी अमित जैन आर्जव, सुशीला, मोना मनीष जैन, रवि जैन अजीत जैन, माला अजित जैन नितिन जैन, नितेश जैन,आशा जैन का योगदान रहा।

नाउन कला व चरैया गांव पहुंचकर लक्ष्मण तिवारी ने दी श्रद्धांजलि

रीवा, नगर संवाददाता।

11 मई को पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी एवं पूर्व जनपद सदस्य, सरपंच तथा सोसायटी अध्यक्ष इंद्रमणि प्रसाद द्विवेदी मुन्ना झरी ग्राम नाऊन कला पहुंचकर लालता पांडेय की धर्मपत्नी के एकादश कार्यक्रम में सम्मिलित हुए तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात ग्राम चरैया पहुंचे, जहां जयप्रकाश द्विवेदी के यहां आयोजित छःपिंडी कार्यक्रम में सम्मिलित होकर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय एवं परिजनों के प्रति लक्ष्मण तिवारी ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि दुःख की इस घड़ी में वे परिवार के साथ खड़े हैं। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कर्मियों के हक में उच्च न्यायालय का फैसला, सीटू ने जतायी प्रसन्नता

रीवा, नगर संवाददाता।

एकता यूनियन सीटू ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा आंगनबाड़ी कर्मियों के हक में दिए गए निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि इससे न केवल सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओं का ग्रेच्युटी भुगतान होगा बल्कि पुरानी बढ़ी हुई राशि जो राज्य सरकार द्वारा रोक दी गई थी को भी एरियर सहित भुगतान करने में मदद मिलेगी। संगठन की राज्य महासचिव किशोरी वर्मा,जिला अध्यक्ष शशि कला पांडे कार्यवाहक अध्यक्ष सुनीता मिश्रा महासचिव रामवती सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि 2018 में मानदेय वृद्धि 10000 किए जाने के बाद केंद्र सरकार ने भी डेढ़ हजार रुपए की मानदेय वृद्धि की लेकिन 2019 में राज्य सरकार द्वारा डेढ़ हजार रुपए कम कर दिए और केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाए गए डेढ़ हजार रुपए उस मानदेय में जोड़ दिया जिसके कारण बढ़ा हुआ डेढ़ हजार रुपए मिलने पर जो 11500 होना चाहिए था वह 10000 ही रह गया,इसके विरोध में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायता यूनियन मध्य प्रदेश सीटू द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई जिसका फैसला 21 अप्रैल को माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया जिसमें काटा गया 1500 एरिया सहित भुगतान किए जाने और 6 प्रतिशत ब्याज के साथ दिए जाने का आदेश पारित किया गया,साथ ही सुप्रीम कोर्ट में ग्रेच्युटी के भुगतान किए जाने की अपील आंगनबाड़ी यूनियन गुजरात सीटू द्वारा की गई थी जिसका फैसला अप्रैल 2022 में आया। संगठन ने महिला बाल विकास विभाग एवं सरकार से तत्काल इस फैसले को लागू करने की मांग की है।

जन-सहयोग से संवर रहा चोरहटा स्थित धार्मिक व रमणीय स्थल

रीवा, नगर संवाददाता।

विंध्य की धरा रीवा को जल्द ही एक नया धार्मिक और रमणीय केंद्र मिलने जा रहा है। शहर के पास एयरपोर्ट मार्ग पर स्थित रानी तालाब चोरहटा नहर और शिल्पी सिटी के पीछे एक विशाल स्थल अब नई पहचान ले रहा है। यह सब संभव हो पाया है ग्रीन एनवायरमेंट समिति के पिछले 8-9 वर्षों के निरंतर संघर्ष और अटूट प्रयासों से। इस स्थल की सबसे बड़ी विशेषता इसका हरा-भरा वातावरण है। समिति ने यहाँ 108 पीपल, 27 बरगद, 9 त्रिवेणी और 500 से अधिक फलदार पौधे रोपित किए हैं। अब यहाँ एक विशाल तालाब भी आकार ले रहा है, जिसके बारे में समिति का विश्वास है कि भगवान भोलेनाथ की कृपा से यह सदैव जलमग्न रहेगा। बताया जा रहा है कि एक समय था जब यहाँ पानी का कोई साधन नहीं था। समिति के सदस्य भीषण गर्मियों में हैंडपंप से डिब्बों में पानी भरकर लाते थे और नन्हें पौधों को सींचते थे। जब तालाब और मंदिर प्रांगण की मेढ़ पर लगे पौधों को पानी की अधिक आवश्यकता महसूस हुई, तो संस्था ने निजी प्रयासों से बोरिंग कराई। गौरतलब है कि संस्था के सदस्यों ने बिना किसी शासकीय या प्रशासनिक मदद के, केवल जन-सहयोग के दम पर इस बड़े कार्य को अंजाम दिया है। इस पुनीत कार्य में अध्यक्ष शमी कुमार शुक्ला, सचिव सानु शुक्ला, उपाध्यक्ष राहुल शर्मा और मंदिर प्रबंधक वेद प्रकाश केसरवानी के साथ पूरी टीम जुटी हुई है। समिति ने समस्त रीवा वासियों और क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अपने आसपास के प्राचीन धर्मस्थलों को बचाने का संकल्प लें।

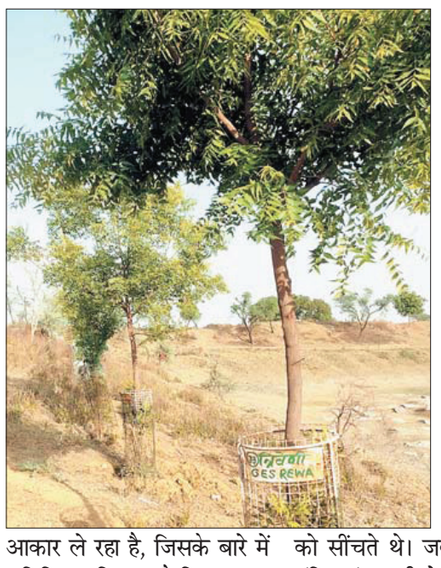

अक्षत जैन ने जनगणना कार्यों का लिया जायजा

रीवा, नगर संवाददाता।

भारत की जनगणना 2027 अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई से 30 मई की अवधि में संचालित किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य के अंतर्गत प्रगणक घर-घर पहुंचकर जानकारी दर्ज कर रहे हैं। इसी क्रम में प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी एवं निगम आयुक्त अक्षत जैन ने फील्ड में पहुंचकर जनगणना कार्यों का निरीक्षण किया तथा जमीनी स्तर पर कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर सीधे प्रगणकों से चर्चा कर मकान नंबरिंग, डाटा एंट्री एवं ग्राउंड लेवल पर की जा रही कार्यवाही की जानकारी प्राप्त की। साथ ही दर्ज किए जा रहे विवरण का मिलान कर उसकी पुष्टि करने के निर्देश दिए। निरीक्षण दौरान श्री जैन ने एक मकान का विवरण दर्ज करने में लगने वाले समय की जानकारी भी ली। प्रगणकों द्वारा बताया गया कि रहवासियों द्वारा प्रश्नावली के उत्तर दिए जाने पर सामान्यतः 5 से 15 मिनट में डाटा प्रविष्टि का कार्य पूर्ण हो जाता है। प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी श्री जैन ने सुपरवाइजर द्वारा ब्लॉकवार मॉनिटरिंग,डाटा सिंकिंग एवं दैनिक प्रगति की भी समीक्षा की।

हेल्पडेस्क व फील्ड ट्रेनर्स से समस्याओं का करें त्वरित समाधान

श्री जैन ने जनगणना कार्य में आ रही जमीनी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए नगर जनगणना अधिकारी को निर्देशित किया कि निगम स्थित हेल्पडेस्क एवं फील्ड ट्रेनर्स के माध्यम से समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित कराया जाए, जिससे राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किया जा सके। साथ ही प्रगणकों द्वारा कुछ मकानों में विवरण दर्ज करने में आ रही समस्याओं की जानकारी दिए जाने पर निगम आयुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें। उन्होंने बताया कि जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है। उन्होंने नागरिकों से जनगणना में सक्रिय सहभागिता निभाने एवं सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की। साथ ही लापरवाही बरतने वाले प्रगणकों को शीघ्रता एवं गंभीरता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान नगर जनगणना अधिकारी एवं उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, जनगणना समन्वयक शशिकांत शुक्ला, सुपरवाइजर प्रिया शर्मा एवं प्रगणक पुष्पा मिश्रा मौजूद रहे।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ की मासिक बैठक आयोजित

- ग्रामीणों की कई समस्याओं पर चर्चा

रीवा, नगर संवाददाता।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ग्राम इकाई उमरी सिरमौर की मासिक बैठक 11 मई 26 को देवी मां मंदिर प्रांगण, उमरी में अखिलेश मिश्रा ग्राम इकाई अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में किसानों एवं ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रमुख रूप से बढ़ती बिजली दरें, मनमाने बिजली बिल, अवैध विद्युत कटौती, ढीले बिजली तारों के आपस में टकराने से आग लगने की घटनाएँ तथा इससे पेड़-पौधों एवं घरों को हो रहे नुकसान पर चिंता व्यक्त की गई। इसके अलावा खरीदी केंद्रों पर बारदाने की कमी, किसानों के लिए पानी एवं छाया की समुचित व्यवस्था तथा समर्थन मूल्य से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा हुई। बैठक में यह विशेष रूप से उठाया गया कि ग्राम उमरी के वार्ड क्रमांक 15 में स्थित बिजली ट्रांसफार्मर पिछले 18 माह से जला हुआ है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इससे क्षेत्र के निवासियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में भक्त प्रहलाद वर्मा जिलाध्यक्ष रीवा, राकेश मिश्रा किसान अध्यक्ष,मनमोहन त्रिपाठी, आदर्श त्रिपाठी, निलेश मिश्रा सोनू एवं पवन त्रिपाठी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसान नेताओं ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

किसानों के लिए गेहूं खरीदी स्लॉट खुलवाने की मांग

रीवा, नगर संवाददाता।

किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक डॉ. सुनीलम के नेतृत्व में किसान संघर्ष समिति के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखू, अखिल भारतीय किसान सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य लालमणि त्रिपाठी, प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल, रीवा जिला अध्यक्ष फौजी यदुवंश प्रताप सिंह, मऊगंज जिला अध्यक्ष अजय सिंह किसान नेता धर्मेंद्र सिंह गढ़वा तथा जिला सचिव अनिल मिश्रा ने रीवा जिलाधीश नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि रीवा जिले के किसानों का समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय हेतु स्लॉट बुक नहीं हो पा रहा है, जिससे किसान परेशान हैं। किसान नेताओं ने मांग की कि जिले के सभी किसानों की समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी सुनिश्चित कराई जाए।

बाड़ेबंदी का बजट उपलब्ध करायें सरकार

ज्ञापन में यह भी बताया गया कि रीवा जिले में आवारा पशुओं एवं जंगली जानवरों द्वारा बड़े पैमाने पर फसलें नष्ट की जा रही हैं, जबकि किसानों को न तो राजस्व विभाग और न ही फसल बीमा योजना के माध्यम से उचित मुआवजा मिल रहा है। ग्राम पंचायत तिलखन, जनपद पंचायत सिरमौर में किसानों द्वारा निजी स्तर पर की गई बाड़ेबंदी का उल्लेख करते हुए मांग की गई कि इसी मॉडल को पूरे जिले में लागू किया जाए अथवा पंचायतों को अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराया जाए।

बिजली विभाग की लापरवाही से किसानों को भारी नुकसान

किसान नेताओं ने बिजली संकट को लेकर भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि किसानों को घोषित 10 घंटे बिजली नहीं मिल रही है। बिजली विभाग की लापरवाही से फसलें जल रही हैं, ट्रांसफार्मर एवं केबल समय पर नहीं बदले जा रहे, मोटरें खराब हो रही हैं तथा किसानों से मनमाने बिजली बिल वसूले जा रहे हैं। मांग की गई कि विभागीय लापरवाही से किसानों को हुए नुकसान की भरपाई की बिजली विभाग से की जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि जिस प्रकार प्रत्येक मंगलवार को जिलाधीश कार्यालय में जनसुनवाई होती है, उसी प्रकार प्रत्येक 15 दिन में कृषि मंडियों में किसानों की समस्याओं को लेकर विशेष जनसुनवाई आयोजित की जाए। ज्ञापन सौंपने के बाद कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखू ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों पर शीघ्र कार्यवाही नहीं हुई तो किसान संगठन आंदोलन तेज करेंगे।

टीआरएस में व्याख्यानमाला आयोजित

युवा विज्ञान प्रौद्योगिकी,इंजीनियरिंग गणित क्षेत्र में करियर बनायें: प्रो. शिवम

रीवा, नगर संवाददाता।

ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय में 11 मई 2026 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर तकनीकी नवाचार के ज्ञान का व्यवहारिक एवं रचनात्मक अनुप्रयोग पर विशेष व्याख्यान और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूम में प्रो शिवम तिवारी ने कहा कि 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है जिसका मुख्य उद्देश्य परमाणु परीक्षण और परमाणु शक्ति को याद करना है वैज्ञानिकों को योगदान को सम्मान करना है।

उन्होंने कहा कि युवाओं में विज्ञान प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में करियर बनाना है। कार्यक्रम में जिन विषयों पर वक्ताओं द्वारा व्याख्यान दिया गया उसमें भारत के स्वदेशी तनकीक का विकास, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग , गणित में करियर ,साइबर सुरक्षा और डिजिटल इंडिया और नवाचार शामिल रहे। आयोजन के मुख्य अतिथि डॉ ए.पी. मिश्र सेवानिवृत प्राध्यापक रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अच्युत पाण्डेय सेवानिवृत प्राध्यापक की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के आयोजक डॉ विनोद कुमार मिश्र सहायक प्राध्यापक ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। व्याख्यान के दौरान डॉ आरबी तिवारी सेवानिवृत प्राध्यापक, डॉ कल्पना त्रिपाठी, डॉ. अंबर शुक्ला, डॉ ललिता, मिश्रा,डॉ संध्या सिंह,डा सविता चक्रधारी,प्रो ज्ञानेंद्र तिवारी, प्रो.सुधा मिश्रा,डा अन्नू तिवारी ,प्रो.अंजली सिंह,डा. परवीन बानो,डा विवेक यादव,डा पारस मणि चौबे ,प्रो.श्रद्धा तिवारी ,प्रो.वर्षा मिश्र,प्रो.शिवम् तिवारी सहित अन्य प्राध्यापक एवं छात्र - छात्राएं उपस्थिति रहे।

संपादकीय

राजनीति का नाजुक दौर

बंगाल का 'केसरिया जनादेश' क्यों जरूरी था, अब यह समझ में आ रहा है। 'वॉशिंगटन पोस्ट', 'द इकोनॉमिस्ट', 'वॉल स्ट्रीट जनरल' सरीखे अमरीकी मीडिया में विश्लेषण छप रहे हैं कि भारत में प्रधानमंत्री मोदी को जो जनादेश मिले हैं, जितनी संख्या में वोट दिए गए हैं, वे वाकई अद्वितीय हैं। अर्थात किसी अन्य विश्व-नेता को इतने जनादेश हासिल नहीं हैं। इन विश्लेषणों के ये निष्कर्ष भी दिए गए हैं कि भारत 'एकदलीय' लोकतंत्र की ओर बढ़ रहा है। यह निष्कर्ष बिल्कुल गलत है, क्योंकि अब भी कई राज्यों में भाजपा 'नगण्य' है और वहां विपक्ष की सरकारें हैं। बहरहाल बंगाल के शपथ-ग्रहण समारोह के मंच से दो बिंब आंखों में ही बस गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के सबसे बुजुर्ग और पुराने कार्यकर्ता, 98 वर्षीय माखन लाल सरकार के पांव छुए और फिर उन्हें शॉल ओढ़ा कर गले लगा लिया। कितना संस्कारी और प्रेरक संदेश अभिव्यक्त हुआ होगा? माखनलाल 'जनसंघ' के संस्थापक और सर्वप्रथम नेहरू कैबिनेट में उद्योग-वाणिज्य मंत्री रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सहयोगी रहे हैं। उनके 'कश्मीर आंदोलन' के सहभागी रहे हैं और वहां 'तिरंगा' फहराने के कथित अपराध में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। यह बिंब इतिहास और वर्तमान के संगम को साफ करता है। चूंकि बंगाल में पहली बार 'केसरिया सत्ता' हासिल हुई है, लिहाजा ऐतिहासिक क्षण थे, लिहाजा भाजपा के बहुत पुराने चेहरों को भी याद किया गया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर ही दंडवत प्रणाम कर बंगाल की जनता का आभार जताया कि उसकी बदौलत ही 'भगवा सरकार' आज सामने है। यह है भारत के लोकतंत्र की ताकत!

यह भारतीय राजनीति का सबसे नाजुक दौर है। विपक्ष के लिए तो अग्नि-परीक्षा का समय है। ममता बनर्जी भी आत्मचिंतन कर रही होंगी! यह प्रधानमंत्री मोदी की 'विशुद्ध राजनीति' हो सकती है, लेकिन आज तक किसी अन्य प्रधानमंत्री को ऐसी मुद्रा में नहीं देखा गया। आखिर वे भी राजनीति के जरिए ही प्रधानमंत्री बने थे। बहरहाल अब हालात ये हैं कि तृणमूल कांग्रेस के 14-15 सांसद ही गायब बताए जा रहे हैं। वे चुनाव में बिल्कुल निष्क्रिय रहे। यही नहीं, कुछ नवनिर्वाचित विधायकों ने ही 'दीदी' को आंख दिखाना शुरू कर दिया है। सवाल है कि चुनावी पराजय के बाद तृणमूल क्या बिखराव के मुहाने पर है? तृणमूल का बिखराव या टूटन अपनी जगह है, लेकिन विपक्ष का 'इंडी' गठबंधन आज कहां है? तमिलनाडु में द्रमुक की पराजय क्या हुई कि कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, वीसीके, आईयूएमएल आदि-छलांग लगाकर, पाला बदल कर, 'टीवीके' के समर्थन में चले गए। द्रमुक अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने इसे पीठ में छुरा घोंपने वाला विश्वासघात करार दिया है। यही नहीं, लोकसभा में द्रमुक सांसद कनिमोई ने स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि उनकी सीटें बदल दी जाएं, क्योंकि अब कांग्रेस के साथ उनका गठबंधन नहीं रहा। बेशक उद्धव ठाकरे की शिवसेना हो या हेमंत सोरेन का झामुमो अथवा केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और चुनाव तक ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस रही हो, सभी नेता विरोधाभासी, एक-दूसरे के खिलाफ आरोपिया बयान देते रहे हैं। अक्सर चुनाव भी साथ-साथ नहीं, एक-दूसरे के खिलाफ लड़ते रहे हैं। फिर 'इंडी' का राग क्यों अलापा जाता रहा है? 'इंडी' नेताओं की गाहे-बगाहे बैठकें तो होती हैं, लेकिन वे आपस में ही खाई खोदते रहे हैं। यदि यही स्थिति रही, तो 2029 के लोकसभा चुनाव का बिंब स्पष्ट दिखाई दे रहा है। तब तक आधी पार्टियां भाजपा-एनडीए में विलीन हो चुकी होंगी। लिहाजा अभी वक्त है कि विपक्ष को सबक सीखना चाहिए।

भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन

उत्थान और पतन की अकथ-कथा

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

शुरूआत सचमुच शानदार थी। भारत ब्रिटेन का उपनिवेश था; दमन, शोषण और दीनता का शिकार दास राष्ट्र। महात्मा गांधी विश्व-इतिहास के अलीक-योद्धा के तौर पर परिदृश्य में उभर रहे थे। सारा राष्ट्र आजादी के लिये व्यग्र था। ऐसे में एक नये वैचारिक-आंदोलन ने भारत में प्रवेश किया और सर्वथा अलहदा मिजाज की एक पार्टी ने भारत में जन्म लिया। इसमें केन्द्रीय और अग्रणी भूमिका थी एमएन राय यानि मानवेंद्र नाथ राय की, जिन्हें सोवियत संघ जैसे विशाल राष्ट्र के सर्वेसर्वा बलादिमीर इलिच लेनिन का संग-साथ और विश्वास हासिल था। हुआ यह कि 17 अक्टूबर, सन 1920 को पामीर पार ताशकंद में कम्युनिस्ट इंटरनेशनल की दूसरी कांग्रेस की बैठक हुई और इसने भारत में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के गठन की पूर्वपीठिका रच दी। विचार मंथन और सांगठनिक प्रयासों के बाद अंततः 25 दिसंबर, सन 1925 को भारत के मैनचेस्टर कानपुर में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का गठन हुआ। इसके शुरूआती नेताओं में एमएन राय के अलावा अबनि मुखर्जी, मोहम्मद अली और शफीक सिद्दिकी प्रमुख थे।

25 दिसंबर, सन 2025 से काल गणना करें तो भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन की एक सदी पूरी हो चुकी है। इस मान से यदि एक शती के वृत्तांत यानि कम्युनिस्ट आंदोलन के हश्र को बांचें तो बहुत दिलचस्प चटख और धूमिल रंगों का कोलाज उभरता है। बालीवुड की फिल्म की तर्ज पर हम इसे राइज एण्ड फाल आफ कम्युनिस्ट मूवमेंट-कम्युनिस्ट आंदोलन का उत्थान और पतन भी कह सकते हैं। इस वृत्तांत में लंबे रक्तिम संघर्ष हैं और गर्वीली सफलतायें भी। वहां विफलतायें हैं और बिखराव भी। वहां विमर्श है और विभ्रम भी। संघर्ष, निष्ठा, समर्पण, बलिदान और अनेक महत्वपूर्ण योगदानों के बावजूद इसकी अंततः शोकांतिका में परिणिति विस्मयकारी है, जो बहुतों को शोकाकुल करती है, तो बहुतों को हर्षित भी। क्या वजह है कि ऐसा हुआ? क्या ऐसा होना वृहत्तर समाज के स्वास्थ्य और भविष्य के लिहाज से सुखद है अथवा इसे विडंबना या त्रासदी माना जाये।

विश्व कम्युनिस्ट आंदोलन और भारत के रिश्तों से शुरू करें तो कई अहम निष्कर्ष निकलते हैं। आंदोलन के प्रणेता कार्ल मार्क्स पहले मनीषी हैं, जिसने सन 1857 के अंग्रेजों द्वारा प्रचारित गदर को स्वतंत्रता संग्राम की संज्ञा दी। मार्क्स की भारत के इतिहास में गहरी रूचि थी और वह भारत की आजादी के हिमायती थे। इसमें कोई शक नहीं कि बीसवीं सदी विश्व स्तर पर वाम विचारों की सदी थी और इसने सभी महाद्वीपों में करोड़ों लोगों को वैचारिक तौर पर प्रभावित और आंदोलित किया। श्रमिकों, लेखकों और कलाकारों पर इसका प्रभाव अभूतपूर्व था। श्रम की महत्ता और गरिमा का पाठ प्रस्तुत कर इसने अनेक देशों में कू-दे-ता (तख्तापलट) की स्थितियां पैदा कीं; साहित्य कला और संस्कृति में नये आंदोलन उपजाये, पूंजीवादी-ईमान को डगमग किया, श्रमिकों के लिए बेहतर वातावरण सृजित किया, पारंपरिक रूढ़ियों के प्रति असंतोष उपजाया, उपनिवेशवाद के खिलाफ अलख जगाई और युवा वर्ग की आंखों में नये सपने आंजे। उसने गैर-बराबरी के खिलाफ बराबरी, शोषण के खिलाफ मुक्ति और दासता के खिलाफ स्वतंत्रता की हिमायत की। यह विश्व इतिहास में परंपरा और रूढ़ियों के खिलाफ विचलन और हस्तक्षेप का सर्वथा भिन्न और अपूर्व उपक्रम था। हम स्तालिन, गोर्की, चेखव, माओ, होची मिन्ह, चेग्वेरा, कास्त्रो, नाजिम, हिकमत, फैज, रेजिस द ब्रे, चार्ली चैप्लिन आदि की बात न कर यदि भारतीय परिदृश्य पर भी दृष्टिपात करें तो बड़े और सितारा नेताओं, कवियों, कलाकारों, दार्शनिकों और कार्यकर्ताओं में कौन है, जिसे सोवियत क्रांति अथवा साम्यवादी विचारों व आंदोलनों ने प्रभावित नहीं किया? पं. नेहरू से लेकर भगत सिंह तक, रवींद्रनाथ ठाकुर से लेकर प्रेमचंद तक, राजकपूर से लेकर बलराज साहनी तक, माखनलाल चतुर्वेदी से लेकर गणेश शंकर विद्यार्थी तक नामों की एक अछोर कतार है, जिन्हें साम्यवादी विचारों ने आलोड़ित किया। शहीदे आजम भगत सिंह तो फांसी के तख्ते की ओर जाने से कुछ क्षण पहले तक लेनिन की जीवनी पढ़ रहे थे....

और लेनिन? लेनिन तब नहीं थे, लेकिन बड़ी बात यह है कि लेनिन क्या थे? लेनिन भारत से गेहरे प्रेम में डूबी हुई – महान क्रांतिकारी शख्सियत थे। उन्होंने बंगाल विभाजन के विरोध में लिखा, जालियांवाला कांड की निंदा की, तिलक को मांडले जेल भेजन का विरोध किया, महात्मा गांधी की अगुवाई में आजादी की लड़ाई का समर्थन किया, भारत में अकाल पर अंग्रेज-नीतियों की निंदा की और भगत सिंह जैसे महान क्रांतिकारी समेत सैकड़ों युवकों के विचारों को प्रवलित किया।

निश्चित ही, लेनिन अपने प्रति भारतवासियों के बेहतर सोच और सलूक के हकदार हैं। बाद के दौर को देखें तो भी सोवियत और फिर रूस के शासक और जन भारत के प्रति प्रेम, सम्मान और सदिच्छा रखते हैं। चाहे बुल्गानिन, ब्रेभनेव, खुश्चेव और कोसीगिन रहे हों या फिर पुतिन। बावजूद इन संदर्भों के भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन बिखरता गया। उन्होंने यत्नपूर्वक ट्रेड यूनियनों को संगठित किया, इंडियन कॉफी हाऊस जैसे दर्जनों संस्थाओं के हेतु बने, सन 1957 में केरल में पहली निर्वाचित सरकार का गठन हुआ, पश्चिम बंगाल में कई दहाइयां उनके लाल झंडे के तले बीतीं, देवेगौड़ा और गुजराल की केन्द्रीय सरकारों में उनकी भागीदारी रही, साहित्य और कला के लोक में उनकी केंद्रीय इयत्ता रही, लेकिन मोटे तौर पर बीती पाव सदी में भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन का शीराजा बिखरता गया। क्यों?

भारत में कम्युनिस्टों का इतिहास आंदोलनों का इतिहास है। आंदोलन यानि संघर्ष। संघर्ष यानि विचलन। विचलन यानि मौजूदा स्वरूप, मौजूदा ढांचे मौजूदा समीकरणों के स्थान पर नया स्वरूप, नया ढांचा, नये समीकरण। यानि परिवर्तन। यथास्थिति नहीं, बदलाव। जड़त्व नहीं गतिज। नयी वैचारिकी। नया उन्मेष। अब परंपरा के सन्दर्भ में इन परिवर्तनों की भूमिका पर गौर करें। एक बंद रूढ़िग्रस्त समाज में ग्लासनोस्त (खुलापन) और पिरिस्त्रोइका (पुनर्रचना) की जरूरत, उसके प्रति पारंपरिक सोच और तजन्य प्रतिकार पर तवजो दें। हश्र के वजूहात स्पष्ट हैं। जहां परिवर्तन के बजाय परंपरा श्रेष्ठ और श्रेयस्कर हो, वहां आप कब तक और कहां तक जूझेंगे? संघर्ष जब थकता है, तो सुविधा मांगता है। हर कौम, नस्ल और समाज का अपना डीएनए होता है। भारत में कम्युनिस्ट विचारधारा को देशी बागीचे में विदेशी बेल या विजातीय प्रजाति माना गया। रूपक गढ़ा गया कि जब मस्क्वा में बारिश होती है तो भारत में कम्युनिस्ट अपनी छतरियां खोल लेते हैं। यह नैरेटिव भी पनपा कि भारतीय कम्युनिस्टों का रिमोट कंट्रोल मस्क्वा और बीजिंग के हाथों में है। भारत में कम्युनिस्टों की विफलता का एक बड़ा मुद्दा उनकी धार्मिक सोच भी रहा। एक धर्मप्राण राष्ट्र में धर्म को अफीम बताना लोगों के गले नहीं उतरा। यह बात भी घर-घर फैलाई गई कि कम्युनिस्ट राज में तो सब कुछ सरकारी है। नौकरी भी और बचे भी। कम्युनिस्ट आयेंगे तो मंदिर बंद हो जायेंगे और बचों को सरकार छीन लेगी। और आपकी संपत्ति भी आपकी नहीं होगी। स्पष्ट है कि ये नैरेटिव काम कर गये। एक धर्मप्राण आस्था से परंपराजीवी महादेश में परिवर्तन के ध्वजवाहक सफलता की पताकायें कहां फहराते? मेरा निजी अनुभव है कि परंपरा पोषक कर्मकाण्डी घरों में साला कम्युनिस्ट गाली की तरह इस्तेमाल होने लगा। भारतीय समाज में वैसे भी तर्क के लिये कम ठौर रहा है। कम्युनिस्टों की गलती रही या मूर्खता कि वे साम्यवादी सोच या विचारधारा को भारतीय या देशज शब्दावली और सांचे में नहीं ढाल सके और कई बार उन्होंने राष्ट्रीय परिस्थितियों को नजरंदाज कर तदनुरूप निर्णय लेने के बजाय ऊपरी निर्देश पर फैसले किये। वे बूर्ज्वा, वर्ग संघर्ष, सर्वहारा की आयातित शब्दावली में उलझे रहे। नतीजतन उनका दायरा सीमित रहा। वे अंदरूनी इलाकों या वृहत्तर भूभाग में जमीन नहीं गोड़ सके।

ऐसा नहीं है कि भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन की पंजी में चमकीली घटनाएं या चेहरे नहीं हैं। आज की दलदली राजनीति में कम्युनिस्ट नेता ही हैं, जो भ्रष्टाचार के आरोपों से कभी नहीं बिंधे। योति बसु का प्रधानमंत्री बनने से इंकार भारतीय राजनीति की विरल घटना है। भारत में जब भी आंदोलनों का इतिहास लिखा जायेगा, तेभागा और तेलंगाना आंदोलन, नलगोंडा, वारंगल और खम्मम का कर्ज माफी आंदोलन, नक्सलबाड़ी संघर्ष का भी जिक्र होगा। इसी विचार ने हमें इंकलाब जिंदाबाद, दुनिया के मजदूरों एक हो, हर जोर जुलम की टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है, रोटी कपड़ा लेकर रहेंगे जैसे नारे दिये। इसी ने हमें हम होंगे कामयाब और वो सुबह कभी तो आयेगी जैसे गीत और साहिर और शैलेन्द्र जैसे अनेक बड़े गीतकार दिये। इसी ने पत्रकारों को श्रमजीवी के खाने में वर्गीकृत किया। कम्युनिस्टों ने हमें नंबूदरीपाद, बीटी रणदिवे, एके गोपालन, श्रीपाद अमृत डांगे, पीसी जोशी, अजय घोष, हरकिशन सुरजीत, योति बसु, अयुत मेनन, इंद्रजीत गुप्त, प्रकाश कारंत, वृंदा करात, जैसे बेदाग चेहरे दिये। मगर आज कम्युनिस्ट पार्टियों का फलक बेनूर है। वह बार-बार विघटन और विभाजन की भी शिकार रही। कांग्रेस ने उसे पोसा भी और ग्रसा भी। कम्युनिस्ट पश्चिम बंगाल तो पहले ही गँवा चुके थे, चार मई को उनका केरल का अंतिम लाल किला भी ढह गया। भारत नक्सलमुक्त हो चुका है। एक शती के बाद के पहले वर्ष में उनका यह हश्र भारतीय राजनीति का काबिलेगौर अध्याय और पाठ है, लेकिन चीजें लौटती हैं। नये-नये रंग रूपों में। और फिर विचार मरा नहीं करते। वे फीनिक्स पक्षियों की मानिंद होते हैं। परंतु इतिहासजन्य ताजा सच यही है कि कम्युनिस्ट विचारधारा के लिए भारत की माटी तो मुफीद थी, लेकिन आबोहवा अनुकूल नहीं बैठी।

विजय की 'शपथ यात्रा' प्रारम्भ

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

तमिलनाडु की राजनीति में एक नये दौर की शुरूआत हो रही है जिसे 'विजय काल' कहा जा रहा है। लोकतन्त्र में ऐसे दौर आते रहते हैं, जब राजनीति पुराने समय के चंगुल से पीछा छुड़ा कर नये समय की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार होती है। ऐसा ही हमने प. बंगाल में देखा जहां आजादी के बाद पहली बार भाजपा के नेतृत्व में शुभेन्दु सरकार कल गठित हुई। यह जीवन्त लोकतन्त्र की निशानी भी होती है क्योंकि लोकतन्त्र निरन्तर बदलाव मांगता रहता है अतः इसमें कभी भी विकल्पों की कमी नहीं होनी चाहिए। भारत की बहुदलीय प्रशासनिक प्रणाली का राज भी यही है कि इसमें जनता जरूरत पड़ने पर अपने विकल्प स्वयं तैयार कर लेती है क्योंकि अन्ततः जनता ही लोकतन्त्र की मालिक होती है। तमिलनाडु में 'थल्लापति' के नाम से विख्यात लोकप्रिय फिल्म अभिनेता 'चन्द्रशेखरन जोसेफ विजय' की 2024 में ही गठित 'तमिलगा वेत्री कषगम' पार्टी ने जो जीत हासिल की है वह राज्य के स्थापित राजनीतिक दलों द्रमुक व अन्ना द्रमुक की नींद उड़ाने वाली है।

234 सदस्यीय विधानसभा में उनकी पार्टी को 108 स्थान मिले हैं, जो कि सर्वाधिक हैं। अतः श्री विजय का ही संवैधानिक अधिकार बनता था कि वह चुनावों के बाद राज्य में लोकप्रिय सरकार बनायें। मगर राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उनसे कहा कि वह पहले बहुमत के लिए आवश्यक 118 सदस्यों की सूची उन्हें दें तभी वह स्थायी सरकार बना सकते हैं। श्री विजय को इस काम में पूरे पांच दिन लग गये और इस दौरान उन्होंने चार बार राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा ठोका लेकिन राज्यपाल ने उन्हें तभी सरकार बनाने का न्यौता दिया जब वह आश्वस्त हो गये कि श्री विजय को कम से कम 118 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। इस काम में हाल तक सत्तारूढ़ द्रमुक गठबन्धन के नेता श्री एम.के. स्टालिन ने उनकी परोक्ष मदद भी की और अपने गठबन्धन की वी.सी.के. व मुस्लिम लीग पार्टियों को छूट दी कि वे विजय सरकार का समर्थन कर सकती है और साथ ही द्रमुक गठबन्धन में भी रह सकती हैं। श्री स्टालिन ने कहा कि विधानसभा में दूसरा सबसे बड़ा दल होने के नाते उनकी पार्टी रचनात्मक विपक्ष की भूमिका अदा करेगी। इससे पहले ही श्री राहुल गांधी की कांग्रेस के पांच विधायकों ने विजय की पार्टी 'टीवीके' को अपना समर्थन द्रमुक गठबन्धन में रहते हुए ही दे दिया था। साथ ही दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों के चार विधायकों ने भी विजय का समर्थन किया था। वी.सी.के. व मुस्लिम लीग के चार विधायकों को मिलाकर श्री विजय के समर्थकों की संख्या 121 हो गई (हालांकि वस्तुगत तौर पर संख्या 120 रही क्योंकि श्री विजय दो सीटों से चुनाव जीते हैं)। यह सब जुगाड़ करने में श्री विजय को पांच दिन का समय लग गया तब जाकर 9 मई को राज्यपाल ने उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ चेन्नई के नेहरू सभागार स्थल पर दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी की उपस्थिति उल्लेखनीय कही जायेगी क्योंकि नये मुख्यमन्त्री व राहुल गांधी में पुरानी दोस्ती बताई जाती है।

श्री विजय ने मुख्यमन्त्री पद की शपथ लेने के बाद मुख्यमन्त्री सचिवालय पहुंच कर जो सबसे पहले तीन आदेश पारित किये हैं उनसे लगता है कि वह अपने चुनावी वादों को जल्द से जल्द पूरा करना चाहते हैं। ये तीन आदेश हैं 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, प्रत्येक जिले में नशा विरोधी दस्ता और महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस। इसके साथ ही उन्होंने चुनावों में और भी आर्थिक मदद देने के वादे किये हैं जिनके बारे में कहा जा रहा है कि वह राज्य की अर्थव्यवस्था के बारे में पहले एक श्वेत पत्र' जारी करके उनके बारे में विचार करेंगे। राज्य पर फिलहाल नौ लाख करोड़ रुपए से ऊपर का ऋण है।

दरअसल श्री विजय को उनकी फिल्मी छवि के अनुसार राज्य की जनता 'जन नायगम् और थल्लापति' कहती है जिसका मतलब होता है लोकनायक और कमांडर। इस प्रकार उनकी छवि एक महानायक की बनी हुई है, अतः राज्य का प्रशासन चलाते हुए उन्हें अपनी जन छवि का भी विशेष ध्यान रखना होगा जो कि वर्तमान राजनीतिक दौर में आसान काम नहीं है। वैसे अगर राज्य की राजनीति के इतिहास को देखें तो उनसे पहले भी फिल्मी हस्तियां राज्य की मुख्यमन्त्री रही हैं जिनमें फिल्मी गीतकार व पटकथा लेखक स्व. एम. करुणानिधि से लेकर अभिनेता एम.जी. रामचन्द्रन व अभिनेत्री जयललिता के नाम आते हैं।

ये 1969 से लेकर जीवन पर्यन्त मुख्यमन्त्री बनते और उतरते रहे मगर राज्य की राजनीति इन्हीं तीन व्यक्तित्वों के उत्तराधिकार पर ही चलती रही। इस दौरान फिल्म अभिनेता विजयकान्त व कमल हासन ने भी अपनी-अपनी पार्टियां गठित करके राजनीति में भाग्य आजमाया मगर इन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। इनमें से विजयकान्त तो तमिलनाडु विधानसभा में एक बार विपक्ष के नेता जरूर बनने में सक्षम हो सके मगर वह सत्ता की धुरी नहीं बन सके। कमल हसन को तो अन्ततः राज्यसभा सदस्य बनने के लिए द्रमुक की शरण में ही जाना पड़ा। इनके बाद श्री विजय एक मात्र ऐसे अभिनेता से नेता बने व्यक्ति हैं जिन्होंने अपनी लोकप्रियता के बूते पर राजनीति को अपनी चेरी बनाने में सफलता हासिल की है और तमिलनाडु की राजनीति से जाति व वर्गवाद को समाप्त करके सही मायनों में सामाजिक न्याय व धर्मनिरपेक्षता को स्थापित करने का संकल्प किया है। उनके साथ टी.वी.के. के जिन अन्य नौ विधायकों ने शपथ ली है वे भी तमिल समाज की इसी विविधता को दर्शाते हैं।

सीपीआर नामक आधुनिक संजीवनी सब सीखें

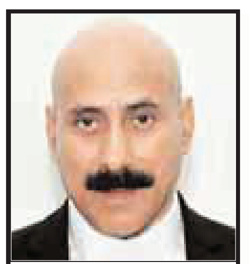

दिनेश चन्द सागर (एडवोकेट)

लेखक-भूतपूर्व विशेष पुलिस महानिदेशक (वीरता के लिए पुलिस पदक और प्रथम बार, अनेक राष्ट्रीय व राजकीय सम्मानों से अलंकृत।)

आज के तनावपूर्ण जीवन में कार्डियक अरेस्ट की घटनाएं युवाओं में भी तेजी से बढ़ रही हैं। जब हृदय अचानक धड़कना बंद कर देता है, तो मस्तिष्क तक ऑक्सीजन पहुंचना रुक जाता है। ऐसे संकट में सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) एक आधुनिक संजीवनी की तरह काम करता है, जो डॉक्टर के आने से पहले किसी व्यक्ति को जीवनदान दे सकता है।

जीवन बचाने के प्रभावी चरण (C-A-B)

कंप्रेशन- मरीज को सख्त जमीन पर लिटाएं। अपनी हथेलियों को छाती के बीच में रखकर पूरी ताकत से 2 से 2.4 इंच तक दबाएं। रफ्तार 100-120 बार प्रति मिनट रखें।

एयरवे -
सिर को पीछे झुकाएं और ठुड्डी ऊपर उठाएं ताकि सांस की नली खुल जाए।

ब्रीदिंग-
यदि संभव हो, तो हर 30 बार छाती दबाने के बाद 2 बार मुंह से सांस दें। केवल छाती दबाना भी अत्यंत प्रभावी है।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के लिए विशेष परामर्श

वर्तमान में डिजिटल युग में एक चिंताजनक प्रवृत्ति देखी जा रही है-सड़क पर किसी को तड़पता देख लोग सहायता करने के बजाय मोबाइल से रील्स या वीडियो बनाने में जुट जाते हैं। सोशल मीडिया के रचनाकारों से मेरा विशेष आग्रह है कि वर्चुअल व्यूज से ऊपर वास्तविक जीवन की कीमत है। संकट के क्षणों में कैमरा बाद में खोलें, पहले एक इंसान होने के नाते मदद के लिए हाथ बढ़ाएं। आपकी संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही किसी का जीवन बचा सकती है, जो किसी भी वायरल कंटेंट से कहीं अधिक मूल्यवान है।

कानूनी सुरक्षा और सामाजिक दायित्व

बतौर पूर्व पुलिस अधिकारी, मैं आश्वस्त करना चाहता हूँ कि गुड सेमेरिटन लॉ के तहत सहायता करने वाले व्यक्ति को पूरी कानूनी सुरक्षा प्राप्त है। आपको किसी भी अदालती कार्यवाही या पूछताछ का भय रखने की आवश्यकता नहीं है।

निष्कर्ष

विकसित भारत 2047 के संकल्प में जागरूक नागरिक की भूमिका अहम है। सीपीआर का ज्ञान हर नागरिक का कर्तव्य होना चाहिए। संकट के समय घबराएं नहीं, निडर होकर आगे आएं और इस जीवन रक्षक कौशल को अपनाएं। आपकी दो हथेलियां किसी

झालमुड़ी ने कभी सोचा नहीं होगा कि वो सरकार भी बनवा सकती है...

बंगाल विधानसभा चुनावों में झालमुड़ी पर जितनी चर्चा हुई उतनी और किसी बात पर नहीं हुई। ये झालमुड़ी बंगाल का मुरमुरे, कच्चे सरसों के तेल, भुनी मूंगफली, प्याज, हरी मिर्च और कई तरह के मसालों को मिलाकर तुरंत बनाया जाने वाला प्रसिद्ध तीखा और चटपटा स्ट्रीट फूड है। बंगाली भाषा में झाल मतलब तीखा और मुड़ी मतलब मुरमुरा। समझ लो कि भेलपूरी की तरह ही होता है लेकिन इसमें सरसों के तेल का इस्तेमाल इसे बंगाली स्वाद देता है। पेट के लिए हल्का होता है और स्वाद में एकदम धमाकेदार। कलकत्ता ही नहीं लगभग पूरे बंगाल में जगह जगह इसकी दूकानें मिलती हैं।

हुआ यूं कि चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ऐसे ही एक झालमुड़ी स्टाल पर पहुंच गए। दस रुपए की झालमुड़ी खाई और लगे हाथ अपने चिर-परिचित अंदाज में दूकान वाले से कुछ बातें भी कर डालीं। बस इतना सा मामला राजनीतिक व्यंग्य और चुनावी कूटनीति का सबसे तीखा हथियार बन गया। सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई और खुद ममता बैनर्जी भी अपने भाषणों में इसकी चर्चा करना नहीं भूलीं। इस दस रुपए की मुई झालमुड़ी ने हिंदू मुस्लिम, बेरोजगारी, गरीबी, रेवड़ी और पता नहीं क्या क्या, सबको पीछे छोड़ दिया।

बहरहाल चुनाव के नतीजे आए और भाजपा की शानदार जीत ने दीदी के अरमानों पर पानी फेर दिया। विपक्ष का एकक्षत्र नेता बनकर प्रधानमंत्री मोदी का विकल्प बनने का ख़्वाब देख रहीं ममता दीदी के पांव? अपनी खुद की जमीन से उखड़ गए। भारतीय लोकतंत्र की शाश्वत परंपरा निभाते हुए अब जहां देखो बंगाल चुनाव की चर्चा है। तरह तरह की व्याख्याएं हो रही हैं और इस विजय की प्रमुख सूत्रधार रही झालमुड़ी पर चर्चा लगातार जारी है। अपन को लगता है कि घाघ नेता अगले चुनावों की रणनीति में स्थानीय व्यंजनों को शामिल करने की होड़ में जुट गए हैं। सूचियां बनने लगी हैं कि किस राय से क्या उठाया जाए? मंगोडे, फुल्की, पकौड़ी, भाजीबड़ा, आलू बंडा, सगोड़ा, गटपट, चाट,भेलपुरी, डोसा, समोसा वाले अपने अपने ठेले चमकाने में लग गए हैं। क्या भरोसा कल? किस्मत? मेहरबान हो जाए और दस रूपए की बिक्री के साथ प्रधानमंत्री मोदी से मन की बात करने का मौका भी हाथ लग जाए। वैसे एक बात तो है कि झालमुड़ी ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि वो अपने दम कर किसी राय में सरकार भी बनवा सकती है

अब व्यवहार सिखा रहे है

केंद्रीय कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय ने रायों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कहा है कि अधिकारियों को सांसद और विधायकों के साथ व्यवहार का तरीका सिखाया जाए। 75 से अधिक वर्षों के प्रजातंत्र में अचानक यह आवश्यकता क्यों आन पड़ी, यह शोध का विषय है। लगता है कि हाल ही में नेताओं और अफसरों के बीच टकराव के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लिया गया है। ऐसे निर्देश पिछले चार महीने में दूसरी बार जारी हुए हैं। निर्देशों को जिला स्तर तक के हर अधिकारी तक पहुंचाने के आदेश है। इसका मतलब है कि अफसरों पर इन निर्देशों का कोई असर नहीं हुआ दरअसल अफसर सोचता है कि ये सांसद और विधायक एक टेंपररी फेस है पांच साल बाद कौन कन्हा होगा ये तो वे भी नहीं जानते लेकिन अपन को तो तीस पैंतीस साल राज करना है इसलिए इनको काहे को तवजो दें। ये बात सही है कि लोकतंत्र में जनमत से चुने गए सांसद और विधायक निस्संदेह महत्वपूर्ण हैं। मगर कार्यपालिका और सरकारी अफसरों, कारिंदों का भी अपना महत्व है जिसे नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। यह कार्यपालिका ही है जो शासन की जनोपयोगी नीतियों को अमली जामा पहनाती? है। इन दोनों व्यवस्थाओं में टकराव नीतियों का क्रियान्वयन प्रभावित करता है। बीच में वह आम आदमी पिसता है जिसके पैसे से विधायिका और कार्यपालिका दोनों का निजाम चलता है। यह टकराव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और अफसरों के टकराव तक ही सीमित नहीं है। निर्वाचित जनप्रतिनिधि बनने से चूक गए बड़े स्तर के नेताओं को तो छोड़िए छुटभैया नेता भी अफसरों के साथ टकराव से बाज नहीं आते। चुनाव बिसात और पार्टियों की अंदरूनी राजनीति में इनका अपना महत्व होता है सो संग्राम में कूद पड़ना निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की मजबूरी बन जाती है।

सरकार ने चुने हुए जन प्रतिनिधियों की सुध तो ले ली। अपन का सोचना है कि अब पार्टियों को भी अपने कार्यकर्ताओं को अफसरों के साथ गरिमामय व्यवहार का तरीका सिखाने के लिए दिशानिर्देश जारी करना चाहिए। जरूरी है कि ऐसे व्यर्थ के टकराव टाले जाएं और बजाय लड़ाई झगड़ों के सब मिलकर उस आम आदमी के लिए काम करें जो बीच में व्यर्थ ही पिसता है। लेकिन ऐसा होगा नहीं क्योंकि जनता तो उस गेहूं की तरह है जिसे चक्की के दोनों पाटों के बीच पिसना पड़ता है और वो ऐसे ही पिसती रहेगी

पिता तो पिता ही होता है

लोग बाग बड़ा हल्ला मचा रहे हैं कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमेशा से परिवारवाद के घोर विरोधी रहे तो फिर उन्होंने अपने बेटे को बिहार सरकार में मंत्री क्यों बनवा दिया? अरे भैया ये तो सोचो बाप आखिर बाप ही होता है हर बाप का यही सपना होता है कि उसका बेटा कहीं ना कहीं सेट हो जाए और फिर राजनीति तो ऐसी चीज है कि भले ही आपको कुछ आता हो या ना आता हो अगर आपके पिता राजनीति में बड़े ओहदे पर हैं तो समझ लो आपका तो फ्यूचर बन गया, नीतीश कुमार भी आखिरकार एक पिता हैं जब तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे तब तक बेटे को लेकर निश्चिंत थे लेकिन जब से बिहार से नाता टूटा है तब से उनको यही चिंता लग रही होगी कि मेरे बेटे का क्या होगा? भले ही वे जिंदगी भर परिवारवाद के विरोध में रहे हों लेकिन जब अपने पर आती है तो सारे विरोध गायब हो जाते हैं । जनता दल यू वाले सफाई दे रहे हैं की भाई वो तो पार्टी के कार्यकर्ताओं की मांग थी की निशांत जी को राजनीति में आना चाहिए ,चलो मान भी ले उनकी बात ,तो संगठन में आ जाते हैं जनता दल यू तो बहुत बड़ा दल है कुछ साल एक कार्यकर्ता की तरह पार्टी की सेवा करते लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे थे तो सीधे मंत्री बन गए । वैसे अपने को इससे कोई शिकायत नहीं है क्योंकि डॉक्टर का बेटा डॉक्टर, वकील का बेटा वकील, व्यापारी का बेटा व्यापारी, अफसर का बेटा अफसर बनता है तो फिर मुख्यमंत्री का बेटा यदि मंत्री बन गया तो इसमें काहे का ऐतराज लेकिन ये बात अलग है कि डॉक्टर के बेटे को डॉक्टरी पास करने के लिए पांच साल लगते हैं वकील के बेटे को भी एलएलबी करने में पांच साल लगते हैं व्यापारी का बेटा बचपन से दुकान बैठता है तब व्यापारी बन पाता है अफसर का बेटा भी पीएससी, यूपीएससी पास करता है तब अफसर बन पाता है लेकिन नेता का बेटा हजारों कार्यकर्ताओं के सिर पर पैर रखकर सीधा विधायक मंत्री सांसद बन जाता है बस इतना फर्क है। और वो ही निशांत कुमार ने किया।

संक्षिप्त समाचार

सिंधिया के खिलाफ परिवाद पत्र पर सुनवाई 23 जून को

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय के खिलाफ दिए बयान पर एडवोकेट नितिन शर्मा द्वारा परिवाद पत्र दायर किया गया है। जिस पर एडवोकेट श्री शर्मा के बयान दर्ज किए गए। इस मामले में श्री सिंधिया सहित जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट एवं पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसौदिया को भी पक्षकार बनाया गया है। तृतीय सिविल जज सीनियर डिवीजन सक्षम नरूला के न्यायालय ने संबंधित पक्षकारों को नोटिस जारी करते हुए 23 जून को सुनवाई की तिथि तय की है।

बुजुर्गों को बांटे फल

ग्वालियर। मातृ दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा माताओं का सम्मान किया गया। भारतीय जैन मिलन महिला फालका बाजार की वीरांगना बहनों ने लक्ष्मीगंज स्थित लक्ष्मी नारायण वृद्ध आश्रम में रह रहे बुजुर्गों को फल और स्वल्पाहार वितरित किए। वहीं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर द्वारा एक भावपूर्ण एवं पारिवारिक आयोजन किया गया। ग्रुप परिवार के लगभग 300 सदस्यों ने अपनी माताओं के साथ डीडी मॉल स्थित फन सिनेमा में देशभक्ति से ओत-प्रोत फिल्म राजा शिवाजी देखी।

पारिवारिक रिश्तों में कड़वाहट से घरेलू हिंसा, तीन मामले दर्ज

पत्नी ने पति को मारा चाकू, पिता ने बेटे का फोड़ा सिर

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

पति-पत्नी का रिश्ता सात जन्म तक निभाने के लिए जाना जाता है, तो पिता-पुत्र का रिश्ता अटूट होता है। लेकिन आज पारिवारिक रिश्तों में किस कदर कड़वाहट आ गई कि वह न केवल एक-दूसरे के खून के प्यासे हो गए हैं, बल्कि मामूली से विवाद पर प्राणघातक हमला करने से नहीं चूक रहे हैं।

शहर में ऐसे ही तीन मामले सामने आए हैं, जिनमें पत्नी ने पति के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया, तो वहीं पिता ने बेटे को डंडा मारकर सिर फोड़ दिया। घर की चारदीवारी से निकलकर झगड़े थाने की चौखट तक पहुंच गए हैं। पुलिस ने घायल फरियादियों की शिकायत पर आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

थाटीपुर थाना क्षेत्र स्थित न्यू अशोक कॉलोनी नदीपार टाल निवासी दीपक पुत्र लोकेन्द्र शर्मा 26 वर्ष का रविवार को रात सवा दस बजे के करीब पत्नी अंजलि से विवाद हो गया। अंजलि ने अपने भाईयों को बुला लिया। अंजलि और उसके भाई पंकज व शिवम पुत्रगण सेवाराम शर्मा निवासी भिंड ग्राम करवास छिरैंटा ने मिलकर दीपक को गाली गलौज करना शुरू कर दिया। जब उसने विरोध किया तो तीनों ने मिलकर दीपक की मारपीट कर दी और चाकू मारकर उसे घायल कर दिया। चाकू लगने से घायल दीपक थाटीपुर थाने पहुंचा और पुलिस को आपबीती सुनाई। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर तीनों के खिलाफ 118 (1), 115 (2),296 (ए),351 (3) ,3 (5) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

इसी तरह माधौगंज थाना क्षेत्र स्थित हेमसिंह की परेड हनुमान मंदिर के पास निवासी कपिल नागर अपने घर में पुताई (पेंट) कराना चाहता था, लेकिन पिता धर्मेन्द्र नागर उसे रंगाई पुताई कराने की मना कर रहे थे। 9 मई को जब बेटे ने पिता से पुताई कराने की कही तो वह कहने लगे कि कोई कलर नहीं होगा। 10 मई को धर्मेन्द्र नागर सतीश कबाड़ी की दुकान समाधिया कॉलोनी पर बैठे हुए थे, तभी दोपहर बारह बजे के करीब कपिल ने एक बार फिर उनसे जाकर पूछा कि घर पर कलर क्यों नही करवाने दे रहे हो। बेटे की बात सुनकर पिता अपना आपा खो बैठे और उसकी मारपीट कर दी। धर्मेन्द्र नागर ने बेटे का डंडा मारकर सिर फोड़ दिया, साथ ही धमकी दी कि घर पर रंगाई पुताई कराई तो जान से मार दूंगा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने पिता के खिलाफ 296(बी), 115(2), 351(2) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

मां-बेटे पर बहू, उसके भाई, माता-पिता ने किया जानलेवा हमला

छाती पर बैठकर समधिन ने दबाया गला

गोला का मंदिर थाना क्षेत्र में एक पति-पत्नी के मामूली विवाद में जमकर बवाल मच गया। पुत्रवधू ने मायके से अपने भाई और माता-पिता को फोन करके बुला लिया। पत्नी ने अपने भाइयों और माता-पिता के साथ मिलकर पहले पति की मारपीट की, जब उसे मां ने बचाने का प्रयास किया तो उनके साथ भी मारपीट कर गला दबा दिया। गला दबाने से महिला के नाक व मुंह से खून निकल आया। मां-बेटे की मारपीट और बेसुध करने के बाद हमलावर धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस को जैसे ही घटना का पता चला तो पीड़िता की शिकायत पर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।

नारायण विहार कॉलोनी निवासी गल्ला मंडी के पीछे रहने वाली गुड्डी पत्नी नारायण प्रजापति 50 वर्ष की बहू सोनम का 27 मार्च को बेटे संजू से विवाद हो गया था। सोनम ने अपने भाइयों को फोन कर दिया। रात करीब 10 बजे सोनम का भाई राहुल, नितिन और अरुण प्रजापति पिता देवीसिंह और मां बैजंयती घर पहुंच गए। बताया गया है कि संजू कमरे में अपनी मां गुड्डीबाई के पास बैठा हुआ था। तभी उसके तीनों सालों नें उसकी डंडों से मारपीट कर दी। संजू के साथ मारपीट कर रहे सालों को मां गुड्डी ने रोकने का प्रयास किया तो सोनम के पिता देवीसिंह और समधिन बैजयंती ने उनको भी नहीं छोड़ा और उनके साथ मारपीट कर गला दबा दिया। गला दबाने से गुड्डीबाई बेसुध हो गई उनके मुंह और नाक से खून निकलने लगा। इतने पर भी मन नहीं भरा तो घर में रखी मोटरसाइकिल और वाशिंग मशीन को भी तोड़ डाला। गुड्डीबाई की हालत बिगड़ने पर सभी लोग मौके से फरार हो गए। गंभीर हालत में महिला को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां उनकी जान बड़ी मुश्किल से बची है। मारपीट की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपितों के खिलाफ धारा 296(बी),115(2),324(4), 333,351(3),3(5) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

इनका कहना है

मां-बेटे के साथ बहू और उसके मायके पक्ष के लोगों ने मारपीट कर गला दबा दिया था। घटना की जांच की जा रही है और आरोपितों को भी तलाश किया जा रहा है।

धर्मेन्द्र यादव
गोला का मंदिर थाना प्रभारी

मानसिक आरोग्यशाला संचालक पर भ्रष्टाचार और उत्पीड़न के आरोप

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मानसिक आरोग्यशाला के संचालक पर भ्रष्टाचार और कर्मचारियों के उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सर्वमानव कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भानू प्रताप चौरसिया ने सोमवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि संचालक के खिलाफ कई शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतों के बाद मर्सी होम के कर्मचारियों पर दबाव बनाया जा रहा है और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। चौरसिया के अनुसार पहले मर्सी होम में 32 कर्मचारी पदस्थ थे, जिनमें डॉक्टर, नर्स, वार्ड बॉय, सफाई कर्मचारी, किचन अटेंडेंट, माली और गार्ड शामिल थे, लेकिन ठेका पद्धति लागू होने के बाद अब केवल 12 से 15 कर्मचारी ही कार्यरत हैं। इससे मरीजों की देखभाल प्रभावित हो रही है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दवा खरीदी में बड़े स्तर पर गड़बड़ी की गई है। साथ ही संचालक डॉ. संजय लहारिया पर निजी क्लीनिक संचालित करने का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

आरोप निराधार, सबूत हों तो प्रस्तुत करें: डॉ. लहारिया

वहीं मानसिक आरोग्यशाला के संचालक डॉ. लहारिया ने श्री चौरसिया द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार और कर्मचारियों के उत्पीड़न के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। डॉ. लहारिया का कहना है कि चौरसिया पिछले लगभग एक माह से मेडिकल लीव पर हैं और उनके द्वारा लगाए जा रहे आरोप तथ्यहीन हैं। डॉ. लहारिया ने कहा कि यदि किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं तो उसके ठोस सबूत प्रस्तुत किए जाने चाहिए। संचालक ने यह भी आरोप लगाया कि भानू चौरसिया अक्सर अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित रहते हैं और उपस्थिति रजिस्टर भी अपने अनुसार भरवाकर भेजते हैं। जब उनसे नियमित रूप से ड्यूटी करने के लिए कहा जाता है तो वे झूठी शिकायतों के माध्यम से दबाव बनाने का प्रयास करते हैं।

बाल संरक्षण संस्थाओं का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं मिलीं संतोषजनक

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

किशोर न्याय अधिनियम के तहत जिले में संचालित बाल संरक्षण संस्थाओं, बाल संप्रेक्षण गृह और प्रगति महिला मंडल विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण अभिकरण का जिला स्तरीय निरीक्षण समिति द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। समिति की अध्यक्ष एवं संयुक्त कलेक्टर जूही गर्ग के नेतृत्व में हुए निरीक्षण में संस्थाओं की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

निरीक्षण के दौरान बाल संप्रेक्षण गृह में 12 बालक निवासरत मिले। समिति ने बच्चों से सीधे संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही शिक्षा, खान-पान और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। बच्चों ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया।

प्रगति महिला मंडल विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण अभिकरण में 6 बच्चे पाए गए, जिनमें 4 बालिकाएं और 2 बालक शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक बालिका की अंतरराष्ट्रीय दत्तक ग्रहण प्रक्रिया जारी है, जबकि दो बालकों को दत्तक ग्रहण के लिए चिन्हित किया गया है। समिति ने भीषण गर्मी को देखते हुए स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य परीक्षण, पंखे-कूलर और पर्याप्त वेंटिलेशन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हमारे स्वभाव और संस्कार में होना चाहिए स्वच्छता: तोमर

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

स्वच्छता हम भारतवासियों के संस्कार में होती है। पहले हमारे यहां कच्चे घर थे, रोटियां चूल्हे पर बनती थी, हमारे यहां पर कचरा डालने का अलग स्थान होता था, जहां गीला कचरा और गोबर को डाला जाता था, जो कि खाद बन जाता था, उसका उपयोग खेत को उपजाऊ बनाने में करते थे। पढ़ा लिखा वर्ग बार-बार सड़क पर कचरा नहीं फेंकने की शपथ ले यह अच्छी बात नहीं है, क्योंकि हम समझदार लोग हैं, स्वच्छता मामले ग्वालियर को नंबर 1 बनाएं।

यह बात वार्ड क्रमांक 60 में आयोजित स्वच्छता संवाद में

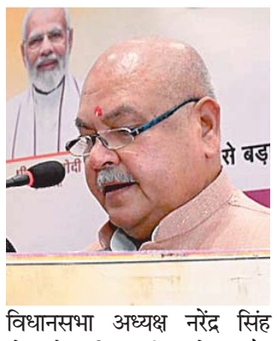

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कही। कार्यक्रम में महापौर डॉ. शोभा सिकरवार, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, मेला प्राधिकरण अध्यक्ष अशोक जादौन, उपाध्यक्ष उदयवीर सिंह, जीडीए उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता, मुकेश अग्रवाल सहित गणमान्य नागरिक, व्यापारी वर्ग के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि शहर को साफ रखने में हम सभी शहरवासियों को अपना सहयोग देना होगा। सफाई कर्मचारी झाड़ू लगाकर जाता है

और हम फिर वहीं कचरा डालकर उस स्थान को गंदा कर देते हैं। उन्होंने कहा कि कचरा गाड़ी नहीं आए तो शिकायत करें हम उस समस्या का समाधान करेंगे, लेकिन कचरा डस्टबिन और टिपर वाहन में ही डालें, सड़क पर नहीं।

कार्यक्रम को विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, अपर आयुक्त टी प्रतीक राव ने भी संबोधित किया।

मंगेश पोतनीस अध्यक्ष और मनीष लिमिये सचिव बने

ग्वालियर। श्री गजानन महाराज मंदिर में गत दिवस श्री गजानन महाराज देव स्थान न्यास की कार्यकारिणी के चुनाव हेतु बैठक हुई। जिसमें आगामी तीन वर्षों के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर मंगेश पोतनीस निर्विरोध निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर दीपक बापट, सचिव मनीष लिमये, सह सचिव अभिजीत भिंडवाले तथा कोषाध्यक्ष पद पर शरद भाकरे को चुना गया। प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया श्रीकांत कुंभराजवाले के देखरेख में पूरी हुई। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में रामचंद्र शहाणे, रमेश घोड़के, अरुण गिजरे, शशांक सोमणी, तृप्ति कल्याणकर एवं पूर्णिमा कुंटे का चयन किया गया। आभार वसंत कुंटे ने व्यक्त किया।

आवारा श्वान ने मासूम पर किया जानलेवा हमला

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शहर में आवारा श्वानों का बढ़ता आतंक अब लोगों के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। सोमवार को गोपालपुरा सुरेरा कोठी क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक आवारा श्वान ने घर के बाहर खेल रही तीन साल की मासूम बच्ची पर अचानक हमला कर दिया। हमले में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। श्वान ने उसके सिर को बुरी तरह नोच डाला, जिससे सिर की खाल का एक हिस्सा तक निकल गया। बच्ची को गंभीर हालत में जयारोग्य अस्पताल के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना सोमवार दोपहर की बताई जा रही है। बच्ची के पिता कमल सिंह के अनुसार

खेलते समय बच्ची का सिर नोचा, हालत नाजुक

उनकी तीन वर्षीय बेटी मानवी घर के बाहर खेल रही थी। खेलते-खेलते वह घर के दरवाजे की ओर लौट रही थी। जैसे ही वह दहलीज के अंदर जाने लगी, तभी पीछे से एक आवारा श्वान ने उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से बच्ची संभल भी नहीं पाई और जमीन पर गिर गई।

परिजनों के मुताबिक श्वान सीधे बच्ची के सिर पर चढ़ गया और उसे बुरी तरह काटने लगा। उसने सिर को नोचते हुए खाल का हिस्सा तक चबा डाला। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर घरवाले और आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। लोगों ने लाठी-डंडों की मदद से किसी तरह श्वान को भगाया, लेकिन तब तक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी।

बच्ची का चेहरा और सिर पूरी तरह खून से लथपथ था। परिजनों ने तुरंत उसे हजार बिस्तर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाया। सिर में गहरे घाव और गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने उसे तुरंत सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रेफर कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार बच्ची के सिर में कई गहरे घाव हैं और उसकी लगातार निगरानी की जा रही है।

प्रेमी की दूसरी शादी रुकवाने की जिद पर अड़ी

युवती ने एसपी ऑफिस में की आत्महत्या की कोशिश

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जेल भेज चुकी फिर भी प्रेमी के साथ रहने की चाहत

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवती ने खुदकुशी की नीयत से चाकू निकालकर स्वयं को मारने का प्रयास किया। मुस्तैद पुलिसकर्मियों ने समय रहते उसे पकड़ लिया।

युवती ने आरोप लगाया कि उसका प्रेमी दूसरा विवाह करने की तैयारी कर रहा है। जबकि युवती पहले ही युवक का विवाह तुड़वाकर उसके खिलाफ दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज करा चुकी है। युवती को महिला थाना पुलिस ने काउंसलिंग कर उसकी पीड़ा को सुना और हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दोपहर के समय लोग अपने कामकाज में व्यस्त थे। तभी वहां पर युवती ने चाकू निकाला और स्वयं को मारने का प्रयास करने लगी। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी सहित अन्य लोगों की नजर उस पर पड़ी तो दौड़कर उसे अपने कब्जे में किया और किसी तरह उससे चाकू छुड़ाकर उसे शांत कराया। युवती का आरोप है कि उसका कुलभूषण राहुल नाम के युवक से प्रेम संबंध थे और उसने विवाह करने का वादा किया था, लेकिन कई बार शारीरिक शोषण करने के बाद कुलभूषण ने विवाह नहीं किया और जब उस पर दबाव बनाया तो वह गुमराह करने लगा था। इस दौरान युवक ने विवाह करने का प्रयास किया तो युवती को पता चला गया था और उसने कुलभूषण का जाकर विवाह रुकवा दिया था। बाद में झांसी रोड थाना में उसके खिलाफ दुष्कर्म की प्राथमिकी भी दर्ज करा दी थी। उक्त मामले में युवक जेल में रहकर भी आया था। युवती का आरोप है कि अब 8 मई को युवक ने एक बार फिर दूसरा विवाह करने का प्रयास किया है। पुलिस अधिकारियों से युवती ने गुहार लगाई है कि युवक का विवाह रुकवाया जाए और वह किसी भी तरह युवक के साथ रहना चाहती है। मानसिक रुप से परेशान युवती को महिला थानाप्रभारी रश्मि भदौरिया ने समझाया और उन्हे हर संभव मदद का आश्वासन दिया। बताया गया है कि युवती मध्यप्रदेश पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही है और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटी हुई है। महिला थानाप्रभारी का कहना है कि युवती जिस युवक से प्रेम करती थी उसके खिलाफ पहले ही दुष्कर्म की प्राथमिकी करा चुकी है और विवाह भी रुकवा दिया था। युवक दोबारा विवाह कर रहा होगा तो युवती की शिकायत है कि उसे रुकवाया जाए। दुष्कर्म का मामला अभी न्यायालय में चल रहा है। युवती को समझाकर उसे घर भेज दिया है।

बाढ़ और जलभराव से निपटने पहले से करें तैयारी

उपयंत्री पंकज पाठक की सेवाएं समाप्त

जिलाधीश ने बाढ़ प्रबंधन व गेहूं उपार्जन व्यवस्थाओं की समीक्षा की

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिलाधीश रुचिका चौहान ने जल गंगा संवर्धन अभियान में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित अंतरविभागीय समन्वय बैठक में उन्होंने निर्माणाधीन जल संरचनाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि इस वर्ष बारिश के पानी का संरक्षण किया जा सके। अभियान में खराब प्रगति पर जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी वाटरशेड, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास तथा अपर आयुक्त नगर निगम के खिलाफ कारण

बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही लगातार उदासीनता पर प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना शाखा के उपयंत्री पंकज पाठक की सेवाएं समाप्त कर दी गईं।

बैठक में आगामी मानसून को देखते हुए बाढ़ प्रबंधन की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधीश ने सभी एसडीएम को जलभराव वाले क्षेत्रों की सूची अपडेट करने और राहत-बचाव की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों को नालों एवं ड्रेनेज सिस्टम की सफाई कराने के निर्देश भी दिए गए।

जिलाधीश ने सुरक्षित भवनों और स्कूलों को राहत केंद्र के रूप में चिन्हित कर बिजली, पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा। होमगार्ड और आपदा प्रबंधन टीम को नाव, लाइफ जैकेट और रेस्क्यू उपकरणों सहित तैयार रखने के निर्देश दिए गए। जिलाधीश ने समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने आने वाले किसानों की सुविधा के लिए खरीदी केन्द्रों पर टोकन व्यवस्था, छाया, शीतल पेयजल, ओआरएस और शरबत की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

यह भी दिए निर्देश

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणाओं पर त्वरित अमल, अत्यंत जर्जर स्कूल भवनों में कक्षाएं नहीं लगाने, परख ऐप के माध्यम से निरीक्षण करने तथा बांधों से पानी छोड़ने की पूर्व सूचना देने के निर्देश भी दिए गए।

मछली पालन को बढ़ावा देने चयनित जलाशयों में मिलेगी आर्थिक सहायता

ग्वालियर। जिले में मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चयनित जलाशयों में केज स्थापना एवं संचालन के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। यह सहायता मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के तहत दी जाएगी। योजना का उद्देश्य मत्स्य उत्पादन बढ़ाना, निजी निवेश को प्रोत्साहन देना और रोजगार के अवसर सृजित करना है। मत्स्योद्योग विभाग द्वारा जिले के ककेटो एवं पेहसारी सिंचाई जलाशयों में उद्यमी मॉडल के तहत केज एक्वाकल्चर सहित विभिन्न मत्स्य आधारित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। योजना में एक्वापोनिक्स, इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग, इको टूरिज्म और ग्रीन एनर्जी जैसी गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं की दिखी मनोहारी झलक

आईटीएम के वार्षिक समारोह में विद्यार्थियों ने बांधा समां

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

आईटीएम ग्वालियर में सोमवार को उत्साह और उमंग के बीच वार्षिक समारोह-2026 का आयोजन किया गया। शास्त्रीय और लोक थीम पर आधारित इस समारोह में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं की मनमोहक झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजेश पाल उपस्थित रहे। निदेशक डॉ. मीनाक्षी मजूमदार ने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि आईटीएम ग्वालियर में छात्र-

छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर प्रगति और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। समारोह में दशावतार मणिपुरी नृत्य, छत्रपति शिवाजी महाराज पर आधारित नाट्य प्रस्तुति, मेरा मुर्शिद खेले होली सेमी-क्लासिकल प्रस्तुति, बुंदेलखंडी कार्मा नृत्य और राजस्थानी लोक नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। संगीत बैंड की प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान स्टार्टअप प्रस्तुति सत्र में छात्र-छात्राओं ने नवाचार और उद्यमिता से जुड़े विचार प्रस्तुत किए। वहीं विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डीन एकेडमिक डॉ. एसएस चौहान, डीन एडमिन डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डीन आईक्यूएसी डॉ. राजीव सिंह, डीएसडब्ल्यू डॉ. नितिन दीक्षित, प्रोक्टर डॉ. ऋषि सोनी और डीन रिसर्च डॉ. दीपेश भारद्वाज सहित अन्य मौजूद रहे।

जैकलीन फर्नांडिस के सरकारी गवाह बनने पर ED की आपत्ति

एजेंसी बोली- एक्ट्रेस पीड़ित नहीं, सुकेश के जुर्म पता होने के बाद भी लिए करोड़ों के गिफ्ट

ईडी ने कोर्ट में साफ कहा कि जैकलीन को सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक बैकग्राउंड की पूरी जानकारी

'खुद को पीड़ित बताना सजा से बचने का पैंतरा'

ईडी ने स्पष्ट किया कि जैकलीन का खुद को 'विक्टिम' बताना केवल कानून से बचने का एक तरीका है। एजेंसी ने कहा, जैकलीन इस मनी लॉन्ड्रिंग प्रक्रिया में एक सक्रिय भागीदार थीं और उन्होंने अपराध की कमाई का जमकर आनंद लिया है। उन्हें सरकारी गवाह बनाना न्याय के साथ धोखा होगा और इससे अपराध की गंभीरता कम हो जाएगी। ईडी ने इस अर्जी को कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया है। अब मामले की सुनवाई 12 मई को होगी।

200 करोड़ रुपए का मनी लॉन्ड्रिंग मामला

एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने दिल्ली की एक अदालत में जैकलीन की उस याचिका का विरोध किया, जिसमें उन्होंने 'सरकारी गवाह' बनने की मांग की थी। ईडी ने कोर्ट में साफ कहा कि जैकलीन को सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक बैकग्राउंड की पूरी जानकारी थी, इसके बावजूद वे उसके साथ लगातार संपर्क में रहीं और अपराध की कमाई से करोड़ों के गिफ्ट्स लेती रहीं।

सुकेश के साथ लगातार संपर्क में थीं जैकलीन

स्पेशल जज प्रशांत शर्मा के सामने दाखिल अपने जवाब में ईडी ने कहा कि जैकलीन कोई ऐसी मासूम पीड़िता नहीं हैं जिन्हें सुकेश के बारे में कुछ पता न हो। एजेंसी के मुताबिक, एक्ट्रेस सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक रिकॉर्ड को जानने के बाद भी उसके साथ रेगुलर और सस्टेंड कॉन्टैक्ट में थीं।

सुकेश ने अपराध के जरिए कमाए गए पैसों से जैकलीन और उनके परिवार के लिए महंगे गिफ्ट्स, लग्जरी सामान और सुविधाओं का इंतजाम किया था। ईडी ने जोर देकर कहा कि जैकलीन का सुकेश के साथ जुड़ाव पूरी तरह सोच-समझकर लिया गया फैसला था।

जांच में सहयोग न करने का आरोप: एजेंसी ने जैकलीन के व्यवहार पर भी सवाल उठाए हैं। ईडी ने कोर्ट को बताया कि एक्ट्रेस ने जांच के दौरान बिल्कुल भी सहयोग नहीं किया और उनके बयान भ्रामक रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2021 से जून 2022 के बीच दर्ज किए गए जैकलीन के बयानों में कई विरोधाभास थे।

ईडी ने आरोप लगाया कि एक्ट्रेस ने अपनी स्क्रिप्ट राइटर अद्वैता काला को किए गए कैश ट्रांजेक्शन, विदेश में रहने वाले भाई-बहनों को भेजे गए फंड और बहरीन में माता-पिता के लिए खरीदी गई कारों जैसी अहम जानकारियां एजेंसी से छिपाईं।

200 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा मामला

बता दें कि यह पूरा मामला ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा है, जिसने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटरों शिविंदर सिंह और मलविंदर सिंह की पत्नियों से 200 करोड़ रुपए ठगे थे। जैकलीन को इस मामले में सप्लीमेंट्री चार्जशीट में आरोपी बनाया गया था। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी उनके खिलाफ मामले को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी थी।

सोशल मीडिया

'विराट के खिलाफ बयान देने के लिए पैसे ऑफर हुए'

जर्मन मॉडल लिजलाज बोलीं– मुझे अलग–अलग मैगजीन से बहुत सारे कॉल आए

जर्मन मॉडल लिजलाज ने हाल ही में दावा किया कि विराट कोहली द्वारा कथित तौर पर उनकी फोटो लाइक करने के बाद कुछ पत्रकारों ने उन्हें क्रिकेटर के खिलाफ गलत बयान देने के लिए पैसे ऑफर किए थे। फिल्मीमंत्रा को दिए इंटरव्यू में लिजलाज ने बताया कि कथित तौर पर पोस्ट लाइक किए जाने के बाद उन्हें लगातार लोगों के फोन आने लगे। सभी यही कह रहे थे कि विराट ने उनकी पोस्ट लाइक की है। अपने फेवरेट क्रिकेटर विराट द्वारा कथित तौर पर उनकी तस्वीर लाइक किए जाने पर लिजलाज ने कहा, 'मैं इससे बहुत खुश थी और थोड़ा इमोशनल भी हो गई थी, लेकिन मुझे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि ऐसा कुछ होगा। मुझे अलग-अलग मैगजीन से इतने सारे कॉल आने लगेंगे।'

● लिजलाज बोलीं- मैं पैसों के लिए झूठ नहीं बोलूंगी

लिजलाज ने दावा किया, 'कुछ लोग आप पर ऐसी बातें बोलने का दबाव भी डालते हैं, जो आप कहना नहीं चाहते। कुछ पत्रकारों ने तो मुझे पैसे ऑफर किए ताकि मैं उनके (विराट कोहली) बारे में गलत बातें कहूं और ऐसे आरोप लगाऊं, जो उन्होंने कभी किए ही नहीं।'

उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन मैं ऐसा क्यों करूंगी? मैंने खुद कहा था कि वो मेरे फेवरेट क्रिकेटर हैं। फिर मैं पैसों के लिए उनके बारे में गलत बातें क्यों बोलूं? मैं ऐसी इंसान नहीं हूं।'

● फोटोग्राफर ने स्क्रीनशॉट शेयर किया था

बता दें कि लिजलाज की फोटो क्लिक करने वाले फोटोग्राफर अद्वैत वैद्य ने पिछले महीने इंस्टाग्राम पर एक स्क्रीनशॉट शेयर कर दावा किया था कि विराट कोहली के आधिकारिक अकाउंट से लिजलाज की पुरानी फोटो लाइक की गई थी। अद्वैत ने इस पर एक वीडियो भी पोस्ट किया था। अद्वैत ने कैप्शन में लिखा था, 'इस पर कैसे रिएक्ट करेंङ्क जब GOAT विराट कोहली, आपकी पोस्ट लाइक कर दें।

सड़क पार करने से भी डर लगता था: भसीन

खतरों के खिलाड़ी में नजर आएंगी, कहा- खुद को कमजोर साबित होने से बचाना है

जैस्मीन भसीन टीवी इंडस्ट्री का वो चेहरा हैं, जिन्होंने अपने 'अनफिल्टर्ड' अंदाज से हर घर में अपनी जगह बनाई है। 'खतरों के खिलाड़ी' के पिछले सीजन में उनके रोने और डरने के बावजूद स्टंट पूरे करने के जज्बे को दर्शकों ने खूब सराहा था। अब जैस्मीन एक बार फिर 'डर के नए दौर' में कदम रखने जा रही हैं।

बातचीत में जैस्मीन ने अपनी जिंदगी के उन पन्नों को पलटा, जहां कभी वह सड़क पार करने से भी घबराती थीं। उन्होंने बताया कि कैसे एक प्रोटेक्टिव माहौल से निकलकर उन्होंने अपनी पहचान बनाई और आज उन्हें किस बात का सबसे बड़ा खौफ सताता है। साथ ही, अली गोनी के उस 'गुरु मंत्र' का भी जिक्र किया जो इस बार उनकी ढाल बनेगा।

● सवाल: जैस्मीन, आप एक बार फिर 'डर के नए दौर' के लिए तैयार हैं। एक्साइटमेंट ज्यादा है या एंग्जायटी?

जवाबः सच कहूंतो दोनों ही चरम पर हैं। मैं एक्साइटेड तो हूं, पर उतनी ही डरी हुई भी हूं। 'खतरों के खिलाड़ी' कोई छोटा खेल नहीं है। यहाँ हर बार खतरे नए होते हैं और चुनौतियां पहले से कहीं ज्यादा कठिन। मेरे पिछले सीजन में सबने देखा था कि मुझे डर बहुत ज्यादा लगता है, इसलिए अब जैसे-जैसे शो करीब आ रहा है, एंग्जायटी बढ़ती जा रही है।

● सवाल: जब आप पहली बार इस शो का हिस्सा बनी थीं, तब आपके फोबिया क्या थे? और इस बार क्या कुछ बदला है?

जवाबः ऑनेस्टली कहूंतो जब मैं पहली बार गई थी, तब मैं सड़क पार करने तक से डरती थी। मैं बहुत ही प्रोटेक्टिव एनवायरमेंट में पली-बढ़ी हूं, जहाँ हर चीज के लिए कोई न कोई साथ होता था। उस समय हर चीज नई और डरावनी थी। आज भी हाइट और पानी के अंदर बिना ऑक्सीजन के रहने से डर लगता है। फोबिया खत्म नहीं हुए हैं, बस मैं उम्मीद कर रही हूं कि इस बार मैं उनसे बेहतर तरीके से निपट पाऊँगी।

> "एक्ट्रेस सोफिया हयात की तबियत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। सोफिया ने व्रत रखा हुआ था, इसी दौरान शरीर में नमक की कमी होने से उनकी हालत खराब हो गई"

PBKS के लिए प्रीति जिंटा गोल्डन टेंपल में नतमस्तक

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा शनिवार रात अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में माथा टेकने पहुंचीं। उन्होंने गुरु घर में नतमस्तक होकर अरदास की। इस दौरान प्रीति जिंटा की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं में भी काफी उत्साह देखा गया। कई लोगों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने के बाद प्रीति जिंटा ने लंगर हॉल में सेवा की। उन्होंने संगत को लंगर वितरित किया। मीडिया से बात करते हुए प्रीति जिंटा ने कहा- बाबा जी का बुलावा आया था, उन्होंने बुलाया था तो हम आ गए। उन्होंने बताया कि 11 मई को उनकी पंजाब किंग्स क्रिकेट टीम का महत्वपूर्ण मुकाबला है और वह टीम की जीत के लिए अरदास करने पहुंची हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वाहेगुरु जी की कृपा से उनकी टीम शानदार प्रदर्शन करेगी और सभी मैच जीतने का प्रयास करेगी और प्लेऑफ में पहुंचेगी।

'सिटाडेल' 2 की धमाकेदार वापसी

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन की बहुप्रतीक्षित स्पाई-थ्रिलर सीरीज़ 'सिटाडेल' का दूसरा सीज़न बुधवार, 6 मई को प्राइम वीडियो पर दस्तक दे चुका है। जोश एपलबॉम, ब्रायन ओह और डेविड वेल द्वारा बनाई गई इस सीरीज़ ने 2023 में अपने पहले सीज़न से वैश्विक स्तर पर हलचल मचाई थी, और अब यह अपने दूसरे भाग के साथ और भी बड़े पैमाने पर वापस आई है। जिन लोगों ने सात एपिसोड की इस सीरीज़ को एक साथ देख डाला है, वे Citadel Season 2 पर अपनी प्रतिक्रियाएँ शेयर करने के लिए X (पहले Twitter) पर आ गए हैं। आइए देखते हैं कि इंटरनेट यूज़र्स इस स्पाई थ्रिलर शो के बारे में क्या कह रहे हैं। सीज़न 2 के सभी सात एपिसोड स्ट्रीम होने के बाद, दर्शक अपनी प्रतिक्रियाएँ साझा करने के लिए X (पूर्व में ट्विटर) पर उमड़ पड़े हैं। इंटरनेट पर इस स्पाई थ्रिलर को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

आम्रपाली दुबे

टीवी पर काटेंगी बवाल

भोजपुरी सिनेमा, एक प्रमुख भोजपुरी मनोरंजन चैनल, 'लाखों में एक पवले बनी हम बहुरानी' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर प्रस्तुत करने जा रहा है। इस फिल्म में आम्रपाली दुबे और जय यादव मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही अभिनय में दमदार सह-कलाकारों की टीम भी शामिल है। यह एक पारिवारिक भोजपुरी ड्रामा है, जो एक ऐसी बहू की ताकत, संस्कार और सहनशीलता को दर्शाता है, जो सबमें अलग पहचान बनाती है। कहानी उसके सफर को दिखाती है, जिसमें वह रिश्तों, सामाजिक अपेक्षाओं और पारिवारिक चुनौतियों के बीच संतुलन बनाते हुए अंततः परिवार की एकता और गरिमा का स्तंभ बनकर उभरती है। फिल्म का निर्देशन अजय झा ने किया है और निर्माण निशांत उज्ज्वल द्वारा किया गया है। कहानी, पटकथा और संवाद अरविंद तिवारी ने लिखे हैं, जबकि संगीत ओम झा और राजनेश मिश्रा ने दिया है। फिल्म का ट्रेलर पहले ही दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन चुका है और YouTube पर नंबर 3 पर ट्रेंड कर चुका है, जहाँ दर्शकों ने इसकी देसी शैली और पारिवारिक कहानी को खूब सराहा है। फिल्म में जय यादव, आम्रपाली दुबे के पति की भूमिका निभा रहे हैं, जो फिल्म के विषय को और गहराई देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन में पेश करेंगे चुनौती

बैंकॉक। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी मंगलवार से निमिबुत्र स्टेडियम में शुरू होने वाले थाईलैंड ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन सात्विक-चिराग, जो पुरुषों की युगल बैडमिंटन रैंकिंग में चौथे स्थान पर हैं, की थाईलैंड ओपन से अच्छी यादें जुड़ी हैं, उन्होंने 2019 और 2024 में दो बार बीडब्ल्युएफ सुपर 500 टूर्नामेंट जीता है। ब्रदर्स ऑफ डिस्ट्रक्शन तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में होंगे और यह जोड़ी थॉमस कप में अच्छे नतीजों के बाद इस टूर्नामेंट में आ रही है।

आरसीबी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर जुर्माना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को मुंबई

इंडियंस के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर आचार संहिता उल्लंघन के चलते जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार एंडी फ्लावर ने खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए बनाई गई आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन किया। इस कारण उन पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। फ्लावर पर आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का आरोप लगा, जो मैच के दौरान आपत्तिजनक या अशोभनीय भाषा के इस्तेमाल से संबंधित है।

फोगाट ने डब्ल्यूएफआई के आरोपों को बताया गलत

नई दिल्ली। भारतीय स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के कारण बताओ नोटिस और प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर बड़ा बयान दिया है। विनेश ने कहा कि महासंघ ने उनके खेल से लिए गए ब्रेक और वापसी की समयसीमा को गलत तरीके से समझा है। उन्होंने साफ किया कि उन्हें 01 जनवरी 2026 से ही आधिकारिक तौर पर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में वापसी की अनुमति मिल चुकी है। विनेश ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वह प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए पात्र हैं, क्योंकि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने खेल से उनके ब्रेक और उसके बाद वापसी की समयसीमा को गलत तरीके से समझा है।

ई-टिकट एंट्री ने बढ़ाई दर्शकों की दिक्कतें

धर्मशाला। एचपीसीए के धर्मशाला स्टेडियम में पंजाब किंग्स व दिल्ली केपिटल्स के मैच में ई-टिकट से एंट्री को लेकर दर्शकों को खूब परेशानियों का सामना करना पड़ा है। इस सिस्टम से दर्शकों की लाइनों में लंबी-लंबी कतारें लगने के बाद हुजूम हर गेट की ओर दौड़ पड़ा। इसके बाद गेट नंबर दो में डाइट गेट से लेकर बीएड कॉलेज गेट तक कतारें लग गई। हालांकि इस बार महिलाओं व बच्चों के लिए अलग लाइन लगाकर प्रवेश करवाया गया। जबकि अधिकतर युवाओं व परिवार के साथ आए लोग टिकट एक फोन में होने पर साथ ही जाने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते रहे। जिससे कतारों की बजाय गेट में जैम पैक वाली स्थिति बन गई। पुलिस बल व निजी सिक्योरिटी को व्यवस्था बनाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

दिल्ली 3 विकेट से जीती, अक्षर-मिलर के अर्धशतक, स्टार्क-माधव ने 2-2 विकेट लिए

दिल्ली ने पंजाब के मुंह से छीनी जीत पंजाब की लगातार चौथी शिकस्त

एजेंसी, नई दिल्ली

डेविड मिलर और आशुतोष शर्मा की तूफानी पारियों के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने सोमवार को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में खेले गए आईपीएल-2026 के मैच में पंजाब किंग्स को तीन विकेट से हरा दिया। ये मैच पंजाब के हाथ में था जो मिलर और आशुतोष की पारियों ने छीन लिया और इसी के साथ पंजाब के हाथ से नंबर-1 बनने का मौका भी चला गया। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर (नाबाद 59) और प्रियांश आर्या (56) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर पांच विकेट खोकर 210 रन बनाए। दिल्ली की टीम ने 19 ओवरों में सात विकेट खोकर ये टारगेट हासिल कर लिया। ये पंजाब की लगातार चौथी हार है।

पॉवरप्ले में दिखी कमजोर

दिल्ली को तेज शुरुआत की जरूरत थी जिसके लिए उसे पावरप्ले का फायदा उठाना था, लेकिन मेहमान टीम ये काम नहीं कर सकी। छह ओवरों के बाद उसका स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 47 रन था। दूसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर यश ठाकुर ने अभिषेक पोरेल को बोल्ड कर दिया। पोरेल ने पांच रन बनाए। अगले ओवर की तीसरी गेंद पर मार्को यानसेन ने अर्शदीप सिंह की गेंद पर शानदार कैच लेकर केएल राहुल को भी पवेलियन की राह दिखाई।

अक्षर को मिला मिलर का साथ

स्टब्स के आउट होने के बाद अक्षर को तूफानी बल्लेबाज डेविड मिलर का साथ मिला। इन दोनों ने मिलकर दिल्ली को मैच में वापस लाने की पूरी कोशिश की और सफल भी रहे। दोनों ही बल्लेबाज लगातार बड़े शॉट्स मार रहे थे और पंजाब के गेंदबाजों पर दवाब बना रहे थे। 14वें ओवर की चौथी गेंद पर अक्षर ने चौका मारा और अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन इसी ओवर की आखिरी गेंद पर अक्षर एक और बड़ा शॉट खेलने के कारण आउट हो गए। उन्होंने 30 गेंदों पर आठ चौके और दो छक्कों की मदद से 56 रन बनाए। अक्षर और मिलर के बीच 64 रनों की साझेदारी हुई। अक्षर के जाने के बाद दिल्ली की सारी उम्मीदें मिलर पर टिकी थीं। मिलर लय हासिल कर चुके थे और तेजी से रन बना बना रहे थे। उन्होंने 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर छक्का मार अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन अगली ही गेंद पर प्रभसिमरन सिंह ने शानदार कैच लपक मिलर की पारी का अंत कर दिया।

प्रियांश ने मचाया कोहराम

दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी का फैसला किया। प्रियांश और प्रभसिमरन ने पहले विकेट के लिए 78 रन जोड़े। पंजाब ने पावरप्ले में बिना विकेट खोए 72 रन बनाए। दिल्ली की ओर से पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित पंजाब के प्रारंभिक बल्लेबाज के रूप में उतरे पंजाब के प्रियांश ने देखते ही देखते रनों की बौछार कर माहौल में गर्मी ला दी। मिचेल स्टार्क के पहले ही ओवर में प्रियांश ने छक्का जड़ कर अपने इरादे जाहिर कर दिए। मिचेल की पांचवीं गेंद पर भी प्रियाशं ने छक्का लगाया। प्रभसिमरन ने भी चौका लगाकर अपने हाथ खोले। इस तरह पहले ही ओवर में पंजाब के खाते में 22 रन आए। आकिब के दूसरे ओवर में भी प्रियांश रुके नहीं और दूसरी गेंद पर छक्का लगा दिया। दूसरे ओवर की दूसरी गेंद तक प्रियांश आठ गेंद पर 19 रन बना कर बेहद खतरनाक नजर आ रहे थे।

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स	रन	बॉल	4s	6s
प्रियांश कै साहिल बो माधव	56	33	2	6
प्रभसिमरन कै आकिब बो मुकेश	18	15	3	0
श्रेयस अय्यर नाबाद	59	36	5	3
कूपर कै मिलर बो माधव	38	27	3	2
मार्कस कै माधव बो मिचेल	1	2	0	0
शशांक कै अक्षर बो मिचेल	0	1	0	0
सूर्यांश शेड्गे नाबाद	21	8	2	2

कुल: 210/5 (20)

गेंदबाजी: मिचेल स्टार्क (4-0-57-2), आकिब नबी (4-0-32-0), लुंगी एनगिडी (4-0-46-0), मुकेश कुमार (4-0-31-1), **माधव तिवारी (4-0-40-2)**

दिल्ली कैपिटल्स	रन	बॉल	4s	6s
लोकेश कै मार्को बो अर्शदीप	9	8	2	0
अभिषेक बोल्ड यश ठाकुर	5	6	1	0
साहिल कै चहल बो अर्शदीप	13	6	1	1
ट्रिस्टन स्टब्स रन आउट	12	17	1	0
अक्षर कै बेन बो मार्कस	56	30	8	2
डेविड कै प्रभसिमरन बो बेन	51	28	3	4
आशुतोष कै प्रवीण बो यश	24	10	2	2
माधव तिवारी नाबाद	**18**	**8**	**2**	**1**
आकिब नबी नाबाद	10	2	1	1

कुल: 216/7 (19)

गेंदबाजी: अर्शदीप (4-0-21-2), यश ठाकुर (4-0-55-2), मार्को येन्सन (4-0-45-0), बेन ड्वारशुइस (4-0-51-1), मार्कस स्टोइनिस (3-0-44-1)

आईपीएल 2026 मैच: 56

12 मई, शाम 7:30 बजे

नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस बनाम सनराइजर्स हैदराबाद

आईपीएल में पिछला रिकार्ड

71	मैच खेले	207
44	जीते	101
27	हारे	105
-	परिणाम नही	1
233/3	अधिकतम स्कोर	287/3

आईपीएल में आमने-सामने

मैच खेले: 6

क्लासेन की लीडरशिप वाली एसआरएच की पॉवर का सामना गिल की दमदार जीटी से होगा

अहमदाबाद। विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन अगुवाई वाली सनराइजर्स हैदराबाद की पावर का सामना शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस से मंगलवार को होगा। दोनों टीमों की सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ा रिस्क उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जानी जाती है जोकि आईपीएल 2026 में सबसे खतरनाक लाइनअप में से एक रहा है। हेनरिक क्लासेन जैसे खिलाड़ी हैं, जिनकी मध्यवर्ती ओवरों में पावर-हिटिंग कुछ ही ओवरों में गेंदबाजी आक्रमण को खत्म कर सकती है, और अभिषेक शर्मा, जिन्होंने बार-बार धमाकेदार शुरुआत दी है जिससे बड़े स्कोर का माहौल बना है। उनके साथ, ट्रैविस हेड टॉप पर निडर इरादा लाते हैं, जबकि ईशान किशन मिडिल ऑर्डर में आक्रामक और स्थिरता का मिश्रण लाते हैं। अधिकतर मैदानों पर, यह कॉम्बिनेशन विरोधी गेंदबाजी आक्रमण को विफल करने के लिए काफी है।

इवा को हराकर गॉफ इटेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी, रोम

अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने सोमवार को खेले गये मुकाबले में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हमवतन इवा जोविक को हराकर इटेलियन ओपन 2026 के क्वार्टर-फाइनल में जगह बना ली हैं। कोको गॉफ ने इटैलियन ओपन 2026 में वापसी करके जीत हासिल करने की आदत बना ली है, और आज का उनका राउंड ऑफ 16 का मैच भी कुछ अलग नहीं था। आज यहां अमेरिका की दुनिया की नंबर तीन खिलाड़ी ने एक सेट और मैच पॉइंट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हमवतन इवा जोविक को 5-7, 7-5, 6-2 से हराया। फोरो इटालिको स्टेडियम में दो घंटे, 45 मिनट तक चले जबरदस्त टेनिस मैच में गॉफ ने यादगार जीत दर्ज की। गॉफ अब डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर-फाइनल में उतरेंगी, जहां उनका मुकाबला 21वीं सीड एलिस मर्टेनस या नंबर 8 सीड मिरा एंड्रीवा से होगा।

एलेक्जेंड्रा एला तीसरे दौर में एलेना रायबाकिना से हारी

कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिलिपींस की एलेक्जेंड्रा एला को हराकर इटेलियन ओपन के अगले दौर में जगह बना ली है। वर्ल्ड नंबर दो एलेना रायबाकिना, जिन्होंने जनवरी में आर्यना सबालेंका को हराकर अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था, ने बीएनपी परिबास एरिना में पहला सेट 6-4 से जीता और रविवार को अपनी पहली डब्ल्यूटीए टूर में तीसरे दौर के मुकाबले में सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से जीत पक्की की। इस जीत के साथ ही कजाकिस्तान की रायबाकिना ने राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है, जहां उनका सामना लॉरा सीजमंड बनाम कैरोलिना प्लिसकोवा के मैच की विनर से होगा। 42वीं रैंक वाली ईला, पिछले राउंड में पेरिस 2024 ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट वांग शिनयू पर 6-4, 6-3 से जीत के बाद अपने करियर में पहली बार डब्ल्यूटीए 1000 क्ले-कोर्ट इवेंट के तीसरे राउंड में पहुंची थीं।

बार्सिलोना को 29वां ला लीगा खिताब

■ रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया; मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने गोल किए

एजेंसी, मैड्रिड

बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबॉल लीग 'ला लीगा' का खिताब फिर जीत लिया। रविवार को एल क्लासिको में टीम ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने सीजन के तीन मैच बाकी रहते अपनी 29वीं ला लीगा ट्रॉफी पक्की कर ली। मैच में मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने गोल किए। जीत के बाद बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच अंकों का अंतर 14 हो गया, जिसे पार करना रियल मैड्रिड के लिए नामुमकिन है।

भावुक हुए खिलाड़ी: हेड कोच के पिता को समर्पित की जीत

मैच के दौरान बार्सिलोना के खिलाड़ियों ने भावुक संदेश दिया। गोल करने के बाद मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस हेड कोच हंसी फ्लिक के पास गए और उन्हें गले लगाया। कोच फ्लिक के पिता का पिछले वीकेंड निधन हुआ था। खिलाड़ियों ने जीत और गोल को कोच और उनके परिवार को समर्पित किया। मैच की शुरुआत में मैनचेस्टर यूनाइटेड से लोन पर आए मार्कस रशफोर्ड ने शानदार फ्री-किक से बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन का उनका 14वां गोल था।

मुख्यमंत्री यादव से मिले कपिल, बोले- खेलों के विकास के लिए हमेशा तत्पर

भोपाल। साल 1983 में क्रिकेट विश्वकप विजेता टीम के कप्तान रहे और देश के प्रख्यात ऑल राउंडर कपिल देव ने सोमवार शाम को भोपाल प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर समत्व भवन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्य प्रदेश के खेल परिदृश्य की जानकारी कपिल देव को दी। प्रख्यात क्रिकेटर कपिल देव ने कहा कि मध्य प्रदेश में क्रिकेट सहित सभी खेलों के प्रोत्साहन के लिए सराहनीय कार्य हो रहा है। उन्होंने मध्य प्रदेश में खेलों और खिलाड़ियों के विकास में हर संभव सहयोग देने की बात कही। प्रख्यात क्रिकेटर कपिल देव ने कहा कि क्रिकेट के साथ ही अन्य खेलों का विकास भी आवश्यक है।

आईसीसी वार्षिक वनडे रैंकिंग में भारत शीर्ष पर कायम

■ न्यूजीलैंड दूसरे और ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर; द. अफ्रीका ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ा

एजेंसी, लंदन

आईसीसी एनुअल वनडे रैंकिंग में भारतीय टीम पहले स्थान पर बनी हुई है। टीम इंडिया के 118 रेटिंग पॉइंट्स हैं। आईसीसी ने सोमवार को नई रैंकिंग जारी की। न्यूजीलैंड 113 पॉइंट्स के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 109 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर है। साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को पीछे छोड़कर टॉप-4 में जगह बना ली है। प्रोटियाज टीम के 102 पॉइंट्स हैं, जबकि पाकिस्तान 98 पॉइंट्स के साथ पांचवें नंबर पर पहुंच गया है। आईसीसी के मुताबिक मई 2025 से खेले गए मैचों को 100% और उससे पहले के दो साल के मुकाबलों को 50% वेटेज दिया गया है। भारत ने मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। टीम ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था। आईसीसी ने रैंकिंग अपडेट के साथ भारतीय ड्रेसिंग रूम के जश्न की तस्वीर भी साझा की।

भोपाल में 15 मई से खेली जाएगी भारत ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज

■ चार मैचों की अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलने के लिए दोनों टीमें पहुंची भोपाल, हुआ भव्य स्वागत

खेल संवाददाता, भोपाल

मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में भोपाल में आगामी 15 मई से भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज का आयोजन किया जा रहा है। इस चार मैचों की श्रृखंला के लिए भारतीय एवं ऑस्ट्रेलियाई जूनियर टीमें सोमवार को राजधानी भोपाल पहुंचीं। यहां राजा भोज एयरपोर्ट पर दोनों देशों के खिलाड़ियों एवं कोचिंग स्टाफ का खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। खिलाड़ियों को पारंपरिक तरीके से शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की गई। यह अंतरराष्ट्रीय हॉकी श्रृंखला 15 मई से 20 मई 2026 तक भोपाल स्थित उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर में आयोजित की जाएगी। सीरीज में भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई अंडर-18 पुरुष एवं महिला टीमें आमने-सामने होंगी। यह प्रतियोगिता आगामी एशिया कप की तैयारियों के दृष्टिगत बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्राप्त होगा। श्रृंखला के अंतर्गत पुरुष वर्ग के मुकाबले 15 मई, 17 मई, 18 मई एवं 20 मई को खेले जाएंगे। वहीं महिला वर्ग के मैच भी इन्हीं तिथियों में आयोजित होंगे। सभी मुकाबले उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर, भोपाल में होंगे।

बंगाल टी-20 लीग में मोहम्मद शमी की एंट्री

कोलकाता। बंगाल टी20 लीग के आगामी सत्र के लिए हाल ही में हुए पुरुष खिलाड़ियों की नीलामी में सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अपनी टीम में शामिल कर बड़ा दांव खेला है। इसके साथ ही टीम ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलित संयोजन तैयार करते हुए अपनी पूरी टीम को अंतिम रूप दे दिया है। नीलामी में सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने ऑलराउंडर करण लाल को भी अपनी टीम में शामिल किया। फ्रेंचाइजी ने घरेलू क्रिकेट के कई प्रमुख खिलाड़ियों के लिए जोरदार बोली लगाई और मजबूत टीम बनाने पर फोकस रखा। मोहम्मद शमी के अलावा बंगाल के तेज गेंदबाज ईशान पोरेल को भी टीम में जगह मिली है।

मप्र की बेटियों का सटीक निशाना, राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदेश का गौरव बढ़ाया

■ 24वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप में प्रथा राठौड़ ने जीता कांस्य, सीनियर महिला टीम को मिला रजत पदक

■ मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की खिलाड़ियों ने 50 मीटर राइफल स्पर्धा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

खेल संवाददाता, भोपाल

जूनियर महिला वर्ग में प्रथा राठौड़ ने साधा कांस्य पदक पर निशाना

50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर महिला वर्ग में म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी कु. प्रथा राठौड़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अर्जित किया। प्रथा ने प्रतियोगिता में 617.6 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। पूरे मुकाबले के दौरान उन्होंने निरंतर संतुलित एवं प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपनी तकनीकी दक्षता और मानसिक मजबूती का परिचय दिया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल अकादमी बल्कि पूरे मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत संचालित म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी, भोपाल में आयोजित "24वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप (राइफल इवेंट्स)" के अंतर्गत आज 50 मीटर राइफल प्रोन (वुमेन) स्पर्धाओं का सफल एवं रोमांचक आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से आई महिला निशानेबाजों ने उच्च स्तरीय प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा, एकाग्रता एवं तकनीकी दक्षता का शानदार परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश को गौरवान्वित किया। अकादमी की युवा निशानेबाजों ने अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सटीक निशानेबाजी का परिचय देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ने संभाला पदभार

भोपाल (नगर संवाददाता)

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल की उपस्थिति में सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ने पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं के साथ महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। इसके बाद पुस्तक भवन पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर पदभार ग्रहण किया। मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ने पं. दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल का आभार व्यक्त करता हूं कि मुझे कार्य करने का अवसर प्रदान किया। यह जिम्मेदारी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने का अवसर है। गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

इस दौरान पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल सहित पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंत्री शाह पर कार्रवाई को लेकर असमंजस केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा करेंगे प्रदेश के दिग्गज

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद बढ़ी भाजपा की चिंता

भोपाल (नगर संवाददाता)

कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी को लेकर मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। वहीं इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद अब भाजपा संगठन भी असमंजस में है, अब वह इस मामले को लेकर केन्द्रीय नेतृत्व से चर्चा करेगा, उसी के बाद कोई निर्णय लिया जाएगा। दरअसल कर्नल सोफिया को लेकर विवादित टिप्पणी करने वाले प्रदेश के मंत्री विजय शाह का मामला सुप्रीम कोर्ट के कड़े तेवर के बाद गंभीर हो गया है। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल इस मुद्दे पर केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा करेंगे। शाह मामले में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों ने ही सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को चार सप्ताह में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, अब तक राज्य सरकार ने एसआईटी को विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं दी है। दरअसल, सरकार अपने मंत्री के खिलाफ मुकदमे की अनुमति देने से बच रही है, क्योंकि ऐसा होते ही विजय शाह पर कैबिनेट से इस्तीफा देने का दबाव बढ़ सकता है। भाजपा को यह भी चिंता है कि विजय शाह आदिवासी समुदाय से आते हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई का असर पार्टी के जनाधार पर पड़ सकता है।

SIT ने माना टिप्पणी को आपत्तिजनक

बताया जा रहा है कि एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में विजय शाह की टिप्पणी को आपत्तिजनक माना गया है। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो एआई जनरेटेड नहीं बल्कि असली था। इसी आधार पर एसआईटी ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1)(ए) के तहत अभियोजन की अनुमति मांगी है। हालांकि, एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया है कि इस मामले में किसी व्यक्ति ने औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की कार्रवाई और विजय शाह की ओर से रखे गए पक्ष पर नाराजगी जाहिर की थी।

भाजपा कार्यालय में मंत्री पंवार ने सुनीं समस्याएं

भोपाल (नगर संवाददाता)

मंत्री नारायण सिंह पंवार ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशभर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद किया। मंत्री पंवार ने कार्यकर्ताओं से चर्चा कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा कई मामलों का त्वरित समाधान कराया।

जिन समस्याओं का मौके पर निराकरण संभव नहीं हो सका, उन्हें संबंधित विभागों को कार्रवाई एवं समाधान के लिए भेजा गया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं की कठिनाइयों को समझते हुए आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं के समाधान के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं ने अपनी स्थानीय समस्याएं और जनहित से जुड़े विषय मंत्री के समक्ष रखे।

सप्लाई से पहले पानी के सैंपल लिए, आज जल सुनवाई भी होगी

भोपाल (नगर संवाददाता)

सोमवार को नगर निगम के जलकार्य विभाग की टीमों ने पानी सप्लाई से पहले 78 जगहों पर पानी के सैंपल लिए। इन्हें जांच के लिए निगम की 8 लैबों में भेजा गया है। मंगलवार को वार्ड कार्यालयों में जल सुनवाई भी होगी। इस दौरान शहरवासी अपने घरों के पानी का सैंपल जांच के लिए ले जा सकते हैं। साथ ही सप्लाई संबंधी कोई शिकायत है तो वह भी दर्ज करवा सकते हैं। कमिश्नर संस्कृति जैन के आदेश पर अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमों ने सोमवार को शहर की झुग्गी बस्तियों सहित अलग-अलग इलाकों से पानी के सैंपल लेकर गंध, रंग, स्वाद, रेसिडुअल क्लोरीन, पीएच, टरबीडिटी व बैक्टेरिया की जांच के लिए लैबों में भेजा है। वहीं निगम अमले ने शहर के अलग-अलग इलाकों में 43 स्थानों पर पाइप लाइनों के लीकेज भी सुधारे, जबकि सीएम हेल्प लाईन, महापौर हेल्प लाईन सहित अन्य माध्यमों से आई शिकायतों में से 7 शिकायतों का निराकरण किया।

टर्निंग पॉइंट पर बाइक सवार पिता पुत्र को मारी टक्कर,पिता की मौत

बैरसिया में अलग-अलग सड़क हादसों में दो की मौत

भोपाल (नगर संवाददाता)

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित ललरिया गांव में बाइकसवार पिता पुत्र की बाइक को पीछे से आ रहे बाइकसवार ने टक्कर मार दी। हादसा 5 मई का है। इसमें बाइक पर पीछे बैठे बुजुर्ग को गंभीर चोट आई थी। आनंद नगर स्थित निजी अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार शाम उनकी मौत हो गई। एसआई हेमंत सिंह ने बताया कि शैतान सिंह ठाकुर (87) गांव मुंड जिला रायसेन के रहने वाले थे। वह अपने बेटे के साथ बैरसिया के बरेलाखेड़ा गांव शादी में जाने निकले थे। ये अभी ललरिया गांव पहुंचे ही थे कि टर्निंग पॉइंट पर पीछे से आ रहे बाइक सवार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार पिता-पुत्र सड़क पर गिर गए। बेटा शैतान सिंह को लेकर आनंद नगर स्थित निजी अस्पताल पहुंचा, जहां शनिवार शैतान सिंह की मौत हो गई।

बाइक ने दो युवकों को मारी टक्कर, एक की मौत

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव भौरासा में महर्षि स्कूल के पास तेज रफ्तार बाइक ने सड़क पर जा रहे चौकीदार के बेटे सहित एक अन्य युवक को टक्कर मार दी। घटना बीती 6 मई की शाम की है। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि चौकीदार के बेटे को कम चोट होने के कारण इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस के अनुसार रज्जू कुशवाह पुत्र रामप्रसाद कुशवाह (48) यहां गांव भौरासा तहसील बैरसिया में रहते थे और किसानी करते थे। वह गांव के चौकीदार के बेटे अजय अहिरवार के साथ महर्षि स्कूल के पास से गुजर रहे थे। इसी बीच पीछे से आ रही अपाचे बाइक ने रज्जू और अजय को टक्कर मार दी। हादसे में रज्जू को गंभीर चोट थी। वह सिर के बल सड़क पर गिरा था।

रंजिश के चलते पेट में चाकू घोंपकर युवक की हत्या, माता पूजन यात्रा के दौरान हुआ विवाद

डीजे के पीछे जा रहे थे आरोपी रासलाखेड़ी पहुंचते ही दोनों पक्षों में हुई जमकर मारपीट

भोपाल (नगर संवाददाता)

छोला मंदिर इलाके के रासलाखेड़ी राम मंदिर के पास रविवार रात पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना उस समय हुई जब माता पूजन यात्रा के दौरान दो पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने युवक के पेट में चाकू घोंप दिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सोमवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना में तीन अन्य युवक भी घायल हुए हैं। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, रासलाखेड़ी निवासी 21 वर्षीय अजय लोधी निजी काम करता था। उसकी सबरी नगर निवासी दीपक ठाकुर से किसी बात को लेकर पुरानी रंजिश चल रही थी। रविवार को दीपक ठाकुर अपने साथियों के साथ एक शादी समारोह में शामिल होकर माता पूजन यात्रा में गया था। यात्रा सबरी नगर से रासलाखेड़ी स्थित राम मंदिर की ओर जा रही थी। कार्यक्रम में सैकड़ों लोग शामिल थे और सभी डीजे के पीछे नाचते-गाते हुए आगे बढ़ रहे थे। रास्ते में अजय लोधी बाइक पर जाते हुए दीपक ठाकुर और उसके साथियों को दिखाई दिया। इसी दौरान अजय की बाइक की किसी युवक से मामूली टक्कर हो गई। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि दीपक और उसके साथियों ने अजय से गाली-गलौज की। जवाब में अजय ने रासलाखेड़ी पहुंचकर देखने की बात कही और वहां से निकल गया। इसके बाद उसने अपने साथियों को भी मौके पर बुला लिया। माता पूजन यात्रा जैसे ही रासलाखेड़ी राम मंदिर के पास पहुंची, दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में जमकर मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान आरोपी दीपक ठाकुर ने चाकू निकालकर अजय लोधी के पेट में घोंप दिया। चाकू लगते ही अजय गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। विवाद के दौरान तीन अन्य युवक भी घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सोमवार सुबह इलाज के दौरान अजय लोधी ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया था, जिसे देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया था।

तीन नामजद आरोपियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज

थाना प्रभारी सरस्वती तिवारी ने बताया कि मामले में आरोपी दीपक ठाकुर, सिद्धार्थ और एक नाबालिग के खिलाफ नामजद हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। मुख्य आरोपी दीपक ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों को भी हिरासत में ले लिया गया है। जांच में अन्य आरोपियों के नाम भी सामने आ रहे है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

विकास की बात : इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव का आज कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में होगा शुभारंभ , एग्री, ईवी, टेक्नोलॉजी, रिन्यूएबल एनर्जी और स्किल सेक्टर्स पर रहेगा विशेष फोकस

मप्र में निवेश संभावनाओं को लेकर फ्रांसीसी उद्योग जगत के साथ होगा मंथन

- **मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे वैश्विक निवेशकों से संवाद**

भोपाल (नगर संवाददाता)

इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव 12 मई को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में फ्रांस की प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि, निवेशक, उद्योग विशेषज्ञ और मध्यप्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

निवेश और तकनीकी साझेदारी पर रहेगा फोकस-इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और मध्यप्रदेश शासन के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस कॉन्क्लेव में एग्री एवं फूड प्रोसेसिंग, ऑटोमोबाइल एवं ईवी, टेक्नोलॉजी, रिन्यूएबल एनर्जी, फार्मा, टेक्सटाइल, पर्यटन और स्किल डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों पर विशेष चर्चा होगी। राज्य सरकार का उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि तकनीकी सहयोग, रिसर्च, स्किलिंग और सतत औद्योगिक विकास आधारित साझेदारी विकसित करना है। कार्यक्रम में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और लोकल मैन्युफैक्चरिंग पर भी फोकस रहेगा।

वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में उभर रहा मप्र

यह कॉन्क्लेव ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 की तैयारी के रूप में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राज्य सरकार फ्रांस के साथ दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। यह आयोजन मध्यप्रदेश को वैश्विक औद्योगिक सहयोग और निवेश के उभरते केंद्र के रूप में नई पहचान देगा।

फ्रांस की बड़ी कंपनियां लेंगी हिस्सा

कॉन्क्लेव में सनोफी, डसॉल्ट सिस्टम्स, सिस्ट्रा, सूफलेट माल्ट, ईडीएफ, एंजी, मोनिन, लैक्टालिस और रॉयल कैनिन जैसी प्रतिष्ठित फ्रांसीसी कंपनियों की भागीदारी प्रस्तावित है। सनोफी एम्स भोपाल के साथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पर चर्चा कर रही है, जबकि डसॉल्ट सिस्टम्स वर्चुअल ट्विन टेक्नोलॉजी के जरिए शहरी विकास और तकनीकी शिक्षा में सहयोग की संभावनाएं तलाश रही है। वहीं डेकाथलॉन प्रदेश में रिटेल विस्तार और स्पोर्ट्स आधारित स्किलिंग मॉडल विकसित करने में रुचि दिखा रही है।

बी-2-बी बैठकों में होंगे निवेश समझौते

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के 60 से 80 उद्योग प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इनके और फ्रांसीसी कंपनियों के बीच बी-2-बी और बी-2-जी बैठकें आयोजित होंगी। इनमें संभावित निवेश, संयुक्त उपक्रम और तकनीकी सहयोग पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कॉन्क्लेव के मुख्य सत्र को संबोधित करेंगे। उनकी मौजूदगी में कई महत्वपूर्ण एमओयू और एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट का आदान-प्रदान भी होगा।

धोखाधड़ी: प्लॉट बेचने का सौदा कर मुकरे

भोपाल (नगर संवाददाता)

निशातपुरा में प्लॉट बेचने के नाम पर पैसा लेने के बाद रजिस्ट्री नहीं कराने पर पुलिस ने भू-स्वामी के अलावा ब्रोकर को आरोपी बनाया है। यह सौदा करीब छह साल पहले हुआ था। जिसके बदले में पीड़ित परिवार ने 12 लाख 79 हजार रुपए का भुगतान भी कर दिया था।

पुलिस के अनुसार प्लॉट का अनुबंध असरामती बारवा पिता खानू बारवा उम्र 27 साल के नाम पर हुआ था। वह कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित नेहरु नगर में रहती हैं। पिता खानू बारवा सरकारी सेवा में हैं और श्योपुर जिले में पदस्थ हैं। पिता के जरिए ही बेटी ब्रोकर गणेश प्रसाद दास के संपर्क में आई थी। उसने करोंद में प्रमिला त्यागी का प्लॉट दिखाया था। वह पसंद आया तो सौदा तय करने के पहले नवंबर, 2020 में दोनों पक्षों के बीच करार हुआ।

अनुबंध के तहत असरामती बारवा ने किस्त में 12 लाख 79 हजार रुपए का पूरा भुगतान कर दिया। लेकिन, रजिस्ट्री कराने की बात हुई तो प्रमिला त्यागी ने इनकार कर दिया। उसका कहना था कि अनुबंध की शर्त के तहत जो राशि तय हुई थी वह उसे मिली ही नहीं। इसलिए वह रजिस्ट्री नहीं कराएगी। इस कारण इस संबंध में पुलिस अधिकारियों से दो महीना पूर्व शिकायत हुई थी। जिसकी जांच के बाद निशातपुरा पुलिस ने रविवार को जालसाजी का प्रकरण प्रमिला त्यागी और गणेश चंद्र दास के खिलाफ दर्ज कर लिया गया है।

आज इन इलाकों में रहेगी बिजली कटौती

भोपाल। राजधानी के करीब 45 इलाकों में मंगलवार को 2 से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा। जिन इलाकों में बिजली बंद रहेगी, उनमें मालवीय नगर, कोकता, ट्रांसपोर्ट नगर, खेजड़ा, पल्लवी नगर, सुरेंद्र रेजीडेंसी, एम्राल्ड कॉलोनी, अमराई, अरविंद विहार, बाग सेवनिया, खजूरी समेत कई बड़े इलाके भी शामिल हैं।

पानी का संकट: बरखेड़ा पठानी में लोगों ने फोड़े मटके

- **वार्ड ऑफिस घेरा, पानी की मांग को लेकर नारेबाजी की, ज्ञापन सौंपा**

भोपाल (नगर संवाददाता)

एक माह से पानी की समस्या से जूझ रहे बरखेड़ा पठानी स्थित नगर निगम के वार्ड-56 ऑफिस के बाहर लोगों ने खाली मटके फोड़े। इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की गई। नगर निगम आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा। पानी की समस्या को लेकर साकेत नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने यह प्रदर्शन किया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुशील प्रजापति के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मटके फोड़कर विरोध जताया और क्षेत्र में नियमित जलापूर्ति की मांग की। प्रजापति ने बताया- बरखेड़ा पठानी क्षेत्र की जनता पिछले एक महीने से पानी की समस्या से जूझ रही है, लेकिन अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

दो बाल्टी मिल रहा पानी: बरखेड़ा पठानी में माता मंदिर के पास रहने वाले लोगों ने कहा कि पेयजल टंकी में पानी नहीं रहता। इस वजह से पानी की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पा रही है। मुश्किल से दो बाल्टी पानी भी नहीं मिल पा रहा है।

मध्यप्रदेश की बेटियों ने लगाया सटीक निशाना

खेल : राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में प्रथा राठौड़ ने जीता कांस्य

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में आयोजित 24वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप में प्रदेश की महिला निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन कर मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया। 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में खिलाड़ियों ने सटीक निशानेबाजी और तकनीकी दक्षता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर महिला वर्ग में मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की खिलाड़ी प्रथा राठौड़ ने 617.6 अंक अर्जित कर कांस्य पदक हासिल किया। पूरे मुकाबले में उन्होंने शानदार संतुलन और आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि से प्रदेश और अकादमी दोनों को गौरव मिला है।

सीनियर महिला टीम को मिला रजत पदक-सीनियर महिला टीम स्पर्धा में मध्यप्रदेश की टीम ने 1853.1 अंक अर्जित कर रजत पदक अपने नाम किया। टीम में एशियन गेम्स पदक विजेता आशी चौकसे, अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सुनिधि चौहान और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नूपुर कुमरावत शामिल रहीं।

कार्यक्रम : मेपकास्ट में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों ने जाना एआई, रोबोटिक्स एवं आधुनिक तकनीकों का महत्व

- **विज्ञान एवं तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने विशेषज्ञों ने विचार साझा किए**

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर विज्ञान, नवाचार एवं आधुनिक तकनीकों को प्रोत्साहन देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भोपाल के 27 शिक्षण संस्थानों के लगभग 300 विद्यार्थी एवं शिक्षक शामिल हुए। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बताया। मेपकास्ट के कार्यकारी संचालक डॉ. विवेक कटारे ने कहा कि प्रदेश में 'डीप टेक रिसर्च एवं डिस्कवरी सेंटर' स्थापित किया जाएगा, जो विभिन्न क्षेत्रों के लिए आवश्यक नई तकनीकों के विकास में सहयोग करेगा। वर्तमान समय में हर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है। ग्रासरूट इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए सरकार, वैज्ञानिक संस्थानों, उद्योगों और स्थानीय समुदायों के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि खनन, पर्यावरण संरक्षण और कम लागत वाली तकनीकों के विकास में ग्रासरूट टेक्नोलॉजी की अहम भूमिका है। कार्यक्रम में प्रिंसिपल सांइटिस्ट डॉ. विकास शेन्डे ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच एवं तकनीकी जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

नई तकनीक में सजगता के साथ करें काम

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल के सहायक प्राध्यापक डॉ. विजय भास्कर सेमवाल ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स एवं आधुनिक तकनीकों की संभावनाओं पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग एवं सुरक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में एआई आधारित तकनीकों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही डेटा सुरक्षा, रोजगार पर प्रभाव और तकनीक पर बढ़ती निर्भरता जैसी चुनौतियों के प्रति सजग रहने की आवश्यकता होगी। कार्यक्रम में विशेष रोबोटिक्स कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र रही। रोबोनॉट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अर्पित सोनी ने विद्यार्थियों को रोबोटिक्स, ऑटोमेशन एवं एआई तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने मैन्युअल एवं स्वायत्त रोबोट के संचालन को समझते हुए स्वयं रोबोट डिजाइन और निर्मित किए।

तकनीक का उपयोग लोकहित में होना चाहिए- उद्योगपति एवं मोटिवेशनल वक्ता डॉ. राजीव अग्रवाल ने विद्यार्थियों को नवाचार, नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास के विषय में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक का उपयोग लोकहित में होना चाहिए।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)